शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 215 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 7 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत के युवा देश की प्रगति और समृद्धि के ध्वजवाहक हैं : लोस अध्यक्ष पेज 2
गौरव गोगोई को राजद्रोह के आरोपों पर जवाब देना चाहिए : भाजपा पेज 3
प्रदेश में 10 लाख नए युवा उद्यमी तैयार करेगी सरकार : योगी आदित्यनाथ पेज 5
चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला... पेज 7

विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा भारत

असम पीछे नहीं रह सकता : सीएम डॉ. शर्मा

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रिपब्लिक प्लेनरी समिट 2025 में *असीमित भारत* के दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा कि असम पीछे नहीं रह सकता क्योंकि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक ऐसे राष्ट्र के इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए जो अपनी पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए तैयार है, और असम इस परिवर्तनकारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। *असीम भारत* केवल एक मुहावरा नहीं है, बल्कि एक विचार है, जो उनके अनुसार असम सहित देश के हर क्षेत्र की क्षमता से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक हालिया बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने असम को *असीम संभावनाओं वाला* राज्य बताया था। यह धारणा शर्मा के साथ गहराई से जुड़ी हुई थी, खासकर असम के पिछले संघर्षों और इसके भविष्य की संभावनाओं के संदर्भ में। असम के उथल-पुथल भरे इतिहास पर विचार करते हुए, शर्मा ने अवैध प्रवास और जातीय तनाव के साथ राज्य की चुनौतियों का जिक्र किया। उन्होंने उस अशांति का जिक्र किया जो 1979 के असम आंदोलन और उसके बाद अल्फा (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम) विद्रोह जैसे हिंसक आंदोलनों में बदल गई थी, जिसने कई दशकों में हजारों लोगों की जान ले ली। शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि ये संघर्ष सिर्फ पहचान और संस्कृति के बारे में नहीं थे, बल्कि उपेक्षा और अविकसितता के व्यापक मुद्दे में भी निहित थे। अपने भाषण में शर्मा ने विकास के लिए असम के ऐतिहासिक संघर्षों को स्पष्ट रूप से दर्शाया, असम के बुनियादी ढांचे के विकास में असमानता की तुलना दक्षिणी और पश्चिमी भारत के समृद्ध क्षेत्रों से की। उन्होंने इस बात पर विचार किया कि असम के सबसे बड़े शहर गुवाहाटी में विकास उसी अवधि के दौरान कलकत्ता (अब कोलकाता) जैसे शहरों में देखी गई प्रगति का एक छोटा सा अंश था। शर्मा ने तर्क दिया कि इस असमान विकास ने क्षेत्रीय असंतुलन को जन्म दिया और वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में भारत की प्रगति में देरी की। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि असम की विकास चुनौतियों को ऐतिहासिक मुद्दों ने और भी जटिल बना दिया है, जिसमें 1962 का चीन-भारत युद्ध और उसके बाद की सीमा संबंधी चिंताएं शामिल हैं। इन कारकों ने क्षेत्र में एक जटिल और -शेष पृष्ठ दो पर

700 करोड़ रुपए के माजुली-जोरहाट पुल को मंजूरी, निविदा प्रक्रिया जल्द : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) की व्यय वित्त समिति (ईएफसी) ने माजुली को जोरहाट से जोड़ने वाले ब्रह्मपुत्र पर बहुप्रतीक्षित दो-लेन प्रमुख पुल के निर्माण के लिए लगभग 700 करोड़ रुपए के संशोधित लागत अनुमान को मंजूरी दे दी है। सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि अगला कदम – निविदा प्रक्रिया शुरू करना – जल्द ही पूरा हो जाएगा, जिससे निर्माण कार्य फिर से शुरू करने का मार्ग प्रशस्त होगा। माजुली-जोरहाट पुल एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है जिसका उद्देश्य दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली तक पहुंच को बेहतर बनाना और मुख्य भूमि के साथ आर्थिक और सामाजिक एकीकरण को बढ़ाना है। लागत वृद्धि और तकनीकी संशोधनों के कारण परियोजना में देरी हुई थी, लेकिन हाल ही में मिली मंजूरी से इसके शीघ्र पूरा होने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक : धनखड़

मुंबई (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को मुंबई में कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि निरंतर टकराव की राजनीति लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ है। यह एक शाश्वत सत्य है जो शासन की दिशा तय करने वाला सिद्धांत होना चाहिए, जिससे वर्तमान और भविष्य के नेताओं को मार्गदर्शन मिलेगा। यदि भारत लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखे, तो वह गौरव के सर्वोच्च शिखर पर पहुंच सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुरली देवरा मेमोरियल डायलॉग्स के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम पूर्व -शेष पृष्ठ दो पर

घुसपैठ रोकने के लिए सरकार निरंतर कर रही है प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम सरकार राज्य में घुसपैठ रोकने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और इस दिशा में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने राज्य में चार घुसपैठियों के पकड़ने की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने गुरुवार को बताया कि असम पुलिस ने बांग्लादेश के चार नागरिकों को अवैध रूप से राज्य में प्रवेश करने के आरोप में पकड़ा गया था, जिन्हें वापस बांग्लादेश भेज दिया गया। इन पकड़े गए बांग्लादेश के नागरिकों की पहचान मोहम्मद रफीक, मोहम्मद सलीम, जाकिर हुसैन और मोहम्मद सईदुर के रूप -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जीवन न तो भविष्य में है, और ना ही भूतकाल में है, जीवन तो सिर्फ वर्तमान में ही है।
– अज्ञात

चीन की धमकी पर अमेरिका का पलटवार, वाशिंगटन ने कहा–

युद्ध के लिए हम भी हैं तैयार

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के संकेत के रूप में, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने जोर देकर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका चीन के साथ युद्ध के लिए तैयार है। यह घटनाक्रम तब हुआ जब बीजिंग ने अमेरिका को चेतावनी दी कि वह किसी भी युद्ध से लड़ने के लिए तैयार है, चाहे वह टैरिफ युद्ध हो या कोई अन्य युद्ध। तीखी प्रतिक्रिया में, हेगसेथ ने कहा कि हम तैयार हैं। जो लोग शांति चाहते हैं उन्हें युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस बात पर जोर देते हुए कि संघर्ष को रोकने के लिए सैन्य ताकत महत्वपूर्ण है, हेगसेथ ने कहा कि इसलिए हम अपनी सेना का पुनर्निर्माण कर रहे हैं। अगर हम चीनियों या अन्य लोगों के साथ युद्ध को रोकना चाहते हैं, तो हमें मजबूत होना होगा, और राष्ट्रपति समझते हैं कि शांति ताकत के माध्यम से आती है। अमेरिकी रक्षा सचिव ने चीनी सेना में विस्तार को भी रेखांकित किया, उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

ऐसे समाज की जरूरत, जहां कोई भेदभाव न हो : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले अपील करते हुए कहा है कि हमें एक ऐसे समाज की आवश्यकता है, जहां किसी को भी उसकी जाति, धर्म या लिंग के आधार पर भेदभाव का सामना न करना पड़े। उन्होंने ये बयान *लोकमाता अहिल्याबाई होलकर महिला सम्मान* समारोह में महिलाओं को सम्मानित करते हुए दिया है। यह पुरस्कार मुंबई में मौजूद कमला अंकीबाई घमंडीराम गोवानी ट्रस्ट की तरफ से आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें एक ऐसा समाज बनाना चाहिए, जहां लोगों को जाति, लिंग, धर्म या सामाजिक स्थिति के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी योग्यता और योगदान के आधार पर आंका जाए। उन्होंने कहा कि अब दुनिया बदल चुकी है और महिलाओं को अपनी प्रतिभा को दिखाने में किसी प्रकार की सीमा महसूस नहीं करनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि अब 75 प्रतिशत शीर्ष प्रदर्शनकर्ता महिलाएं हैं, जो यह साबित करती हैं कि जहां योग्यता है, वहां महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। इस दौरान केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने भी महिलाओं के सशक्तिकरण पर बात की और हरियाणा में इस दिशा में हुए विकास का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* अभियान से हरियाणा में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। मनोहर लाल ने यह भी बताया कि उनके मुख्यमंत्री बनने के दौरान राज्य में महिलाओं के लिए 30 पुलिस स्टेशन बनाए गए थे, जो पूरी तरह से महिला अधिकारियों की तरफ से संचालित किए गए थे, ताकि महिलाएं अपनी समस्याओं को बिना किसी झिझक के रिपोर्ट कर सकें।

न्यूज गैलरी

रणवीर और अपूर्वा एनसीडब्ल्यू के समक्ष हुए पेश

नई दिल्ली (हि.स.)। समय रैना के कार्यक्रम *इंडियाज गॉट लेटेंट* के दौरान की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के संबंध में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर इलाहाबादिया और अपूर्वा मुखीजा गुरुवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के समक्ष पेश हुए। सूत्रों के अनुसार सभी इन्फ्लुएंसर -शेष पृष्ठ दो पर

तमिलनाडु में मुखिया ने 30 लोगों को गांव से किया *बहिष्कृत*

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है, जिसमें एक गांव के मुखिया ने एक परिवार के सभी सदस्यों को बहिष्कृत कर दिया। इस परिवार ने तमिलनाडु के तेनकासी जिले के संबावरवदकरई शहर में भूमि अतिक्रमण को लेकर एक व्यक्ति के खिलाफ कानूनी लड़ाई शुरू की थी। इस परिवार का समर्थन करने पर सात अन्य परिवारों को भी बहिष्कृत -शेष पृष्ठ दो पर

अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी में होली मिलन समारोह की अनुमति नहीं

लखनऊ। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में परिसर के अंदर होली मिलन मनाने की अनुमति अधिकारियों द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है, जिसके कारण कुछ छात्रों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन हिंदुओं के साथ भेदभाव कर रहा है। छात्रों ने अब अनुमति नहीं मिलने पर मामले को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने उठाने की धमकी दी है। मास्टर डिग्री के छात्र अखिल कौशल ने 25 फरवरी को अनुमति मांगी थी। हिंदू छात्रों की ओर से, कुलपति को संबोधित एक पत्र विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर वसीम अली को -शेष पृष्ठ दो पर

रमजान के महीने में क्रिकेटर को एनर्जी ड्रिंक पीते देख भड़के मौलाना, कहा–

मोहम्मद शमी ने रोजा न रखकर गलत किया, माफी मांगें

नई दिल्ली। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी (मोहम्मद शमी) को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने एक टिप्पणी की है, जिसपर विवाद खड़ा हो गया है। उनके मुताबिक, मोहम्मद शमी ने खेल के दौरान रोजा न रखकर गलत किया। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि अनिवार्य कर्तव्यों में से एक *रोजा* (उपवास) है। अगर कोई स्वस्थ पुरुष या महिला रोजा नहीं रखता है, तो वह एक बड़ा अपराधी होगा। भारत के एक प्रसिद्ध क्रिकेट व्यक्तित्व, मोहम्मद शमी ने मैच के दौरान पानी या कोई अन्य पेय पदार्थ लिया। लोग उन्हें देख रहे थे। अगर वह खेल रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वह स्वस्थ हैं। ऐसी स्थिति में, उन्होंने रोजा नहीं रखा और पानी भी पी लिया। इससे लोगों में गलत संदेश जाता है। -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन मोड में दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की मदद करने वाले पूरे नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश के बाद दिल्ली पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को संगम विहार और मंदिर मार्ग थाना क्षेत्रों में रह रहे अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान चलाया। संगम विहार इलाके में ऐसे ही एक सत्यापन केंद्र पर पहुंची महिला ने बताया कि वह कोलकाता से है -शेष पृष्ठ दो पर

राम भरोसे चल रही है हिमाचल की कांग्रेस सरकार : नड्डा

शिमला (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार राम भरोसे चल रही है। कांग्रेस केवल सत्ता में बने रहने के लिए कार्य कर रही है, जबकि जनहित से उसका कोई लेना-देना नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा गुरुवार को बिलासपुर में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पार्टी अब केवल *भाई, बहन और माता* तक सीमित रह गई है और इसके पास कोई ठोस नीति नहीं है। नड्डा ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर केंद्र से मिले धन के दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमने मकान और सड़क निर्माण के लिए धनराशि भेजी थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इस धन को वेतन और पेंशन देने में खर्च कर दिया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि सत्ता गलत हाथों में चली जाती है तो ऐसा ही होता है। भाजपा अध्यक्ष ने प्रदेश में हाल ही में आई आपदा का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस के बड़े नेता जब चाहे हिमाचल प्रदेश में घूमने फिरने आ जाते हैं, लेकिन जब जनता को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब कोई नहीं आता। उन्होंने दावा किया कि संकट की घड़ी में भाजपा नेता अनुराग ठाकुर, जयराम ठाकुर और वे स्वयं तीन-तीन बार प्रदेश में आए और केंद्र से राहत राशि भी दिलाई। नड्डा ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि इस पार्टी के नेता अनपढ़ के अनपढ़ ही हैं। उन्होंने कहा कि मैं स्वास्थ्य मंत्री हूं, आंखें ठीक कर सकता हूं, लेकिन रोशनी नहीं दे सकता। अब कांग्रेस को कुछ दिखता ही नहीं है तो इसमें हमारी क्या गलती? -शेष पृष्ठ दो पर

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 जारी, दूसरे स्थान पर पाकिस्तान

इस्लामाबाद। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (जीटीआई) 2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर पहुंच चुका है। देशभर में बढ़ते आतंकी हमलों और इनमें बड़ी संख्या में लोगों की मौत के बाद पाकिस्तान यहां पहुंचा है। नई जीटीआई रिपोर्ट इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) ने जारी की है। इसमें दुनियाभर के 163 देशों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट के दायरे में दुनिया की 99.7 फीसद आबादी आती है। जीटीआई रिपोर्ट आतंकवादी घटनाएं, मारे गए लोग, घायल, बंधकों की संख्या और आतंकवाद पर प्रभाव समेत कई कारकों का मूल्यांकन करती है। रिपोर्ट से पता चलता है कि पाकिस्तान -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत के युवा देश की प्रगति और समृद्धि के ध्वजवाहक हैं : लोस अध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित बिजनेस कॉन्क्लेव में कहा कि भारत के युवा देश की प्रगति और समृद्धि के ध्वजवाहक हैं। उन्होंने युवाओं से जीवन में लक्ष्य को लेकर स्पष्टता रखने का आह्वान करते हुए कहा कि वे दिशा तय करें और विशाल दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें। ओम बिरला ने कहा कि नवाचार और उमंग से भरे नौजवान ही नया भारत का निर्माण करेंगे। उन्होंने छात्रों से कहा कि जीवन में लक्ष्यों को लेकर हमेशा स्पष्टता रखें, दिशा तय करें, विशाल दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, कभी ना कभी उन्होंने असफलता भी देखी है लेकिन उससे सीख लेकर वो आगे बढ़े हैं। उन्होंने चुनौतियों को अवसर में बदला, सकारात्मक ध्येय के लिए जिद की। यह स्पिरिट देश के नौजवानों में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने सपनों को पूरा करने के लिए केवल महत्वाकांक्षा काफी नहीं है, इसके लिए एकाग्रचित्त ध्यान और अटूट दृढ़ता आवश्यक है। बिरला ने जोर देकर कहा कि भारत के गतिशील और दूरदर्शी युवा क्रांतिकारी नवाचारों का नेतृत्व करेंगे और दुनिया भर में शोध में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। अध्यक्ष ने भारतीय महिलाओं की अद्वितीय शक्ति और लचीलेपन की भी सराहना की और कहा कि देश के विकास और विकसित भारत की ओर इसकी यात्रा में महिलाएं सबसे आगे हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं व्यापक अवसरों का लाभ उठा रही हैं और विविध क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि वे जल्द ही देश के भविष्य की सच्ची पथप्रदर्शक बनकर उभरेंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के युवा और महिलाएं ही हैं जो अपनी बुद्धि और समर्पण से भविष्य को आकार देते हुए दुनिया भर में परिवर्तनकारी बदलाव लाएंगे। बिरला ने छात्रों को आज की कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली दुनिया में रचनात्मकता और व्यापक मानसिकता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। बिरला ने लचीलेपन के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों से आग्रह किया कि वे संसाधनों की कमी को अपनी प्रगति में बाधा न बनने दें। शिक्षा के सार पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बिरला ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा प्रकाश स्तंभ है जो मन को प्रकाशित करता है, आत्मा को पोषित करता है और व्यक्ति को समाज में परिवर्तन और प्रगति का उत्प्रेरक बनने के लिए प्रेरित करता है।

हरियाणा सरकार का पहला बजट सत्र शुक्रवार से, नायब 17 को पेश करेंगे बजट

चंडीगढ़ (हि.स.)। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र सात मार्च से शुरू होकर 28 मार्च तक चलेगा। इस सत्र के दौरान 17 मार्च को मुख्यमंत्री नायब सैनी बतौर वित्त मंत्री अपनी सरकार का पहला बजट पेश करेंगे। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र से पहले गुरुवार की शाम चंडीगढ़ में बिजनेस सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह, ऊर्जा मंत्री अनिल विज, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियों एवं पिछड़े वर्ग कल्याण और अंत्योदय (एसईडब्ल्यूए) विभागों के मंत्री कृष्ण कुमार, विधायक भूपेंद्र सिंह हुड्डा, गीता भुक्कल, विधान सभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, विधायक सावित्री जिंदल और अर्जुन चौटाला ने विशेष रूप से भाग लिया। विधानसभा सचिवालय की तरफ से पहले जारी किए गए संभावित कार्यक्रम के अनुसार सदन की कार्यवाही 25 मार्च तक चलाने की योजना थी और 13 मार्च को बजट पेश किया जाना था। गुरुवार को हुई बैठक के बाद कार्यक्रम में बदलाव कर दिया गया है। वित्त मंत्री के रूप में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 17 मार्च को बजट पेश करेंगे। होली के त्योहार के चलते बजट पेश करने की तिथि में बदलाव किया है। साथ ही संभावित कार्यक्रम में तय की गई छुट्टियों को भी कम करके उन दिनों में सत्र की कार्रवाई चलाने पर सहमति बनी है। शुक्रवार को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के अभिभाषण से बजट सत्र की शुरुआत होगी। 8 मार्च को शनिवार और 9 मार्च को रविवार का अवकाश रहेगा। 10 से 12 मार्च तक राज्यपाल अभिभाषण पर चर्चा होगी। 13 मार्च को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रिप्लाई देंगे। 14 मार्च को होली, 15 को शनिवार और 16 मार्च को रविवार का अवकाश रहेगा। इसके बाद 17 मार्च को मुख्यमंत्री राज्य का सालाना बजट पेश करेंगे। लगातार तीन दिन यानी 18 से 20 मार्च तक बजट पर चर्चा होगी। इसके बाद 21 व 22 मार्च को बजट अनुदान मांगों पर चर्चा होगी।

रोहतक में 60 फीसदी दिव्यांग को मिलेगा पेंशन लाभ

रोहतक (हिंस)। अब 70 फीसदी नहीं, बल्कि साठ फीसदी दिव्यांग की पेंशन बन पाएगी। इसके लिए बाकायदा प्रदेश सरकार ने आदेश जारी कर दिये हैं। साथ ही 21 गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीज भी पेंशन का लाभ ले पाएंगे। पेंशन पाने वाले आवेदक की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय तीन लाख रूपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार स्थानीय लघु सचिवालय स्थित वीडियो सभागार में समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। उन्होंने दिव्यांग पेंशन से संबंधित शिकायत की सुनवाई करते हुए कहा कि सरकार द्वारा गत 3 मार्च 2025 को दिव्यांग पेंशन के लिए 21 बीमारियों को शामिल किया है।

हमें लोक कल्याण की भावना को लेकर कार्य करना चाहिए : भागवत

पटना/सुपौल (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को बिहार के सुपौल जिले के वीरपुर में सरस्वती विद्या मंदिर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमें लोक कल्याण की भावना को लेकर कार्य करना चाहिए। कार्य की सफलता के लिए पुरुषार्थ करना होगा। डॉ. भागवत ने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए विविध प्रयास करने पड़ते हैं। भाग्य को अनुकूल बनाने के लिए हमें योग्य कर्ता बनाना होगा। विद्या भारती समाज की सहायता से देशभर में 21 हजार विद्यालय संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं सबका पेट भर सकूं इस भावना से विद्या भारती के विद्यालयों में छात्र तैयार किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में शिक्षा को पैसे से गिनने की परंपरा नहीं है। मनुष्य सृष्टि का सबसे बुद्धिमान प्राणी है इसलिए शिक्षा पाने का अधिकार सबको है। शिक्षा मनुष्य को मनुष्य बनाता है। मनुष्य ने काफी प्रगति कर लिया है, मनुष्य सुखी रहे पर्यावरण की हानि ना हो ऐसा कार्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी खेती की आवश्यकता है जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहे। इस अवसर पर संघ उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र कार्यवाह डॉ. मोहन सिंह, लोकशिक्षा समिति बिहार के प्रदेश मंत्री डॉ सुबोध कुमार, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव डॉ. ललन प्रसाद सिंह, भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, संघ के क्षेत्र प्रचारक रामनवमी जी क्षेत्र सह कार्यवाह दिनेश प्रसाद, क्षेत्र शारीरिक शिक्षण प्रमुख मनोज कुमार, उत्तर बिहार के प्रांत प्रचारक रवि शंकर, प्रांत कार्यवाह अभय गर्ग समेत कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजीव गांधी पर की गई टिप्पणी पर मचा बवाल

अशोक गहलोत ने मणि शंकर अय्यर को बताया *सिरफिरा*

जयपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने गुरुवार को अपनी ही पार्टी के नेता मणि शंकर अय्यर पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें *सिरफिरा* (पागल व्यक्ति) करार दिया। अय्यर ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की योग्यता पर सवाल उठाते हुए कहा था कि वह अकादमिक रूप से संघर्ष कर रहे थे और एक एयरलाइन पायलट होने के बावजूद प्रधानमंत्री कैसे बन सकते थे। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अय्यर के बयान को हताशा की पराकाष्ठा बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान केवल एक सिरफिरा व्यक्ति ही दे सकता है। गहलोत ने गुरुवार को जयपुर में अपने आवास पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे तब मणिशंकर अय्यर उनके काफी करीबी हुआ करते थे। इतना ही नहीं मनमोहन सिंह सरकार में भी मंत्री रहे और सोनिया गांधी के भी करीबी रहे हैं। वो लंबे समय से राजनीति कर रहे हैं, लेकिन पता नहीं क्यों पिछले कुछ वर्षों से वे लगातार विवादित बयान देते आ रहे हैं। राजीव गांधी ने भारत की प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर बढ़ाया और उनके कार्यकाल में कई ऐतिहासिक कानून पारित किए गए। अय्यर का यह विवादित बयान भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया गया था, जिसमें अय्यर को यह कहते सुना गया कि राजीव गांधी इंग्लैंड में दो बार फेल हुए, फिर भी प्रधानमंत्री कैसे बन गए? इस बयान पर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए तंज कसा। गहलोत ने अय्यर की टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए इसे निंदनीय बताया। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता द्वारा अपनी ही पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्री पर सवाल उठाने से पार्टी के अंदर विवाद गहराने की संभावना जताई जा रही है।

पूसीरे कुछ होली स्पेशल ट्रेनें चलाएगी

गुवाहाटी (हिंस)। होली त्यौहार के सीजन के दौरान बढ़ी यात्री मांग की पूर्ति के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) द्वारा 8 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। ये स्पेशल ट्रेनें नारंगी-गोरखपुर जंक्शन-नारंगी, कटिहार-अमृतसर-कटिहार, कामाख्या-आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या, डिब्रूगढ़-न्यू जलपाईगुड़ी-डिब्रूगढ़, न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी और आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी-आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलेगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि स्पेशल ट्रेन संख्या 05633 (नारंगी-गोरखपुर जंक्शन) 06 मार्च से 27 मार्च तक प्रत्येक गुरुवार को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 05634 (गोरखपुर जंक्शन-नारंगी) 07 मार्च से 28 मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 05734 (कटिहार-अमृतसर) 6 मार्च से 27 मार्च तक प्रति गुरुवार को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 05733 (अमृतसर-कटिहार) 8 मार्च से 29 मार्च तक प्रति शनिवार को रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 02525 (कामाख्या-आनंद विहार टर्मिनल) 7 मार्च से 28 मार्च तक प्रति शुक्रवार को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 02526 (आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या) 09 मार्च से 30 मार्च तक प्रत्येक रविवार को रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 05762 (डिब्रूगढ़-न्यू जलपाईगुड़ी) 14 से 28 मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 05761 (न्यू जलपाईगुड़ी-डिब्रूगढ़) 12 से 26 मार्च तक प्रत्येक बुधवार को रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 05764 (डिब्रूगढ़-न्यू जलपाईगुड़ी) 16 से 30 मार्च तक प्रत्येक रविवार को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 05763 (न्यू जलपाईगुड़ी-डिब्रूगढ़) 15 से 29 मार्च तक प्रत्येक शनिवार को रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 03028 (न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा) 13 से 20 मार्च तक प्रत्येक गुरुवार को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 03027 (हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी) 12 से 19 मार्च तक प्रत्येक बुधवार को रवाना होगी। स्पेशल ट्रेन संख्या 04009 (जोगबनी-आनंद विहार टर्मिनल) 12 और 19 मार्च, 2025 (बुधवार) को रवाना होगी। इसी तरह, स्पेशल ट्रेन संख्या 04010 (आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी) 10 और 17 मार्च, 2025 (सोमवार) को रवाना होगी।

पृष्ठ एक का शेष

असम पीछे नहीं ...

अक्सर तनावपूर्ण स्थिति पैदा कर दी है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने हाल के वर्षों में असम द्वारा की गई जबरदस्त प्रगति पर भी प्रकाश डाला, खासकर बुनियादी ढांचे, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में। लिमिटलेस विजन को आगे बढ़ाने के लिए, शर्मा ने प्रस्ताव दिया कि असम को अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ नवाचार और उद्यमिता का केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप केवल आईआईटी मद्रास में ही नहीं हो सकता। इसे आईआईटी गुवाहाटी और आईआईएम शिलांग में भी पनपना चाहिए। मुख्यमंत्री का संदेश स्पष्ट था कि असम का भविष्य भारत के तकनीकी और आर्थिक विकास में योगदान देने की इसकी क्षमता में निहित है, जो इसकी अद्वितीय क्षमता और संसाधनों का दोहन करता है। उन्होंने अपने संबोधन का समापन करते हुए कहा कि 2047 का भारत अमीर और गरीब, विकसित और पिछड़े के बीच विभाजित राष्ट्र नहीं होगा, उन्होंने आगे कहा कि बल्कि एक एकीकृत देश होगा, जहां हर राज्य की सफलता में समान हिस्सेदारी होगी।

700 करोड़ रुपए...

नए सिरे से प्रयास का संकेत मिलता है। असम सरकार राज्य भर में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सक्रिय रूप से वकालत कर रही है। उम्मीद है कि यह पुल सभी मौसमों के लिए महत्वपूर्ण सड़क संपर्क उपलब्ध कराएगा, जिससे नौका सेवाओं पर निर्भरता कम होगी तथा निवासियों और पर्यटकों के लिए तीव्र और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित होगी। निविदा प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही राज्य सरकार जल्द ही काम फिर से शुरू करने और असम के लोगों को लंबे समय से लंबित परियोजना प्रदान करने के प्रति आशावादी है।

लोकतांत्रिक मूल्यों के ...

केंद्रीय मंत्री मुरली देवरा की स्मृति में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन, उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ सुदेश धनखड़, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद मिलिंद देवरा और अशोक चव्हाण, अमृता फडणवीस, हेमा देवरा, कोटक बैंक के राघवेंद्र सिंह, और विभिन्न क्षेत्रों के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुरली देवरा मेमोरियल डायलॉग्स का उद्देश्य सार्वजनिक नीति, सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करना है। इस वर्ष की चर्चा का मुख्य विषय *नेतृत्व और सुशासन* रखा गया है। नेतृत्व और सुशासन पर बोलते हुए, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि नागरिकों को अपने जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए, क्योंकि जागरूकता लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने बताया कि शासन कार्यकारी तंत्र का विशेषाधिकार है, क्योंकि यह जनता और विधायिका के प्रति उत्तरदायी होता है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि नेतृत्व केवल एक पद से परिभाषित नहीं होता, बल्कि यह उद्देश्य और विचारधारा से प्रेरित होता है। उपनिषदों का संदर्भ देते हुए धनखड़ ने कहा कि त्याग के माध्यम से ही सच्चे आनंद की प्राप्ति होती है, और नेताओं को इस दर्शन को अपनाना चाहिए।

घुसपैठ रोकने के ...

में हुई है। डॉ शर्मा ने असम पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सरकार अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त नीति अपनाए हुए है और इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सरकार घुसपैठ को पूरी तरह रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि असम में अवैध घुसपैठ एक गंभीर मुद्दा रहा है और इसे रोकने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता बरत रही हैं ताकि राज्य में अवैध प्रवासियों का प्रवेश रोका जा सके।

युद्ध के लिए हम...

बीजिंग तेजी से अपने रक्षा खर्च और आधुनिक तकनीक को बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि वे (चीन) संयुक्त राज्य अमेरिका का स्थान लेना चाहते हैं। इससे पहले चीन के विदेश मंत्रालय ने एक पोस्ट में कहा था कि वह अमेरिका के साथ कोई भी युद्ध लड़ने के लिए तैयार है, चाहे वह टैरिफ वॉर हो या कोई अन्य युद्ध। मंत्रालय ने अमेरिका पर चीन से आयात पर शुल्क बढ़ाने के लिए फेंटेनाइल को *मामूली बहाना* के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। विदेश मंत्रालय का दावा है कि फेंटेनल संकट के लिए अमेरिका खुद जिम्मेदार है, जबकि चीन ने इस मुद्दे से निपटने में अमेरिका की सहायता के लिए मजबूत कदम उठाए हैं।

अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी ...

सौंपा गया था, जिसमें 9 मार्च को विश्वविद्यालय के एनआरएससी क्लब में होली मिलन समारोह आयोजित करने की अनुमति मांगी गई थी। दावा किया जा रहा है कि छात्रों को बाद में प्रॉक्टर द्वारा सूचित किया गया कि प्रशासन ने परिसर के अंदर होली कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया है। अखिल कौशल ने बताया कि अब तक हमें इसकी अनुमति नहीं दी गई है। प्रोफेसर वसीम अली खान ने कहा कि 26 फरवरी को, पांच छात्रों ने मुझे कुलपति को संबोधित एक हस्ताक्षरित पत्र दिया था, जिसमें वीसी से अनुरोध किया गया था कि वे उन्हें 9 मार्च को होली समारोह के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक स्थान आवंटित करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने फैसला किया कि चूंकि पहले कभी भी ऐसी कोई विशेष अनुमति नहीं दी गई है, इसलिए अब भी इसका पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालय में छात्रों द्वारा अपने-अपने विभागों और छात्रावासों में होली मनाई जाती है। विश्वविद्यालय किसी विशेष समारोह की अनुमति देने के पक्ष में नहीं है। अखिल भारतीय करणी सेना के अध्यक्ष यानेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि एएमयू के कुछ छात्रों ने एएमयू प्रशासन से *होली मिलन* समारोह मनाने की इजाजत मांगी थी, लेकिन यूनिवर्सिटी ने इससे इनकार कर दिया है। आज हमने पीएम को संबोधित करते हुए डीएम को ज्ञापन दिया है, जिसमें कहा गया है कि एएमयू में हिंदू छात्रों के साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है। अगर इजाजत नहीं मिली तो 10 मार्च को हम एएमयू में घुसकर छात्रों के साथ होली मनाएंगे। इस बीच, समाजवादी पार्टी के नेता आशुतोष वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन को मामले का संज्ञान लेना चाहिए क्योंकि किसी को भी त्योहार मनाने से नहीं रोका जाना चाहिए। यूपी के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अनुमति न दिए जाने को गलत बताते हुए कहा कि अगर भारत में कोई विश्वविद्यालय केवल एक विशेष धर्म का समर्थन करता है और अन्य त्योहारों को मनाने पर रोक लगाता है, तो ऐसे मामलों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पूर्व महापौर और भाजपा नेता शकुंतला भारती ने विशेष होली कार्यक्रम से इनकार करने पर विश्वविद्यालय प्रशासन पर तीखा हमला बोला।

मोहम्मद शमी ने रोजा...

उन्होंने आगे कहा कि रोजा न रखकर उन्होंने एक अपराध किया है। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। शरीयत की नजर में, वह एक अपराधी है। उसे खुदा को जवाब देना होगा। बता दें कि चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मैच के दौरान शमी की एनर्जी ड्रिंक पीते फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। कई लोगों ने कहा था कि मोहम्मद शमी ने रोजा न रखकर कुछ गतल नहीं किया। एक यूजर ने कहा था कि देश हमेशा धर्म से बड़ा है। चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शमी ने 10 ओवर के स्पेल में 48 रन देकर तीन विकेट लिए थे। उन्होंने कपूर कोनोली, कप्तान स्टीव स्मिथ और नाथन एलिस का विकेट लिया। मैच के बाद मोहम्मद शमी ने कहा कि मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा ऑलराउंडर है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट लेकर मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना शत प्रतिशत से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं। बता दें कि वनडे वर्ल्ड कप 2023 में मोहम्मद शमी चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में वापसी की थी। बताते चलें कि चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला भारत बनाम न्यूजीलैंड के बीच दुबई में होने वाला है।

बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों ...

और पिछले एक साल से दिल्ली में रह रहे है। महिला ने बताया कि पुलिस ने उससे पूछा कि वह यहां कब आई थी। इसकी जांच के लिए उसका आधार कार्ड चेक किया गया। इसके अलावा दिल्ली पुलिस अपने सूचना तंत्र का इस्तेमाल कर आपराधिक गतिविधियों में शामिल बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की धर-पकड़ में जुटी है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के बाद 28 फरवरी को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में दिल्ली में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति और समन्वय पर एक उच्चस्तरीय बैठक की थी। शाह ने इस बैठक में दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की मदद करने वाले पूरे नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। गृह मंत्री ने निर्देश दिए थे कि दिल्ली में बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों के भारत में घुसने से लेकर उनके डाक्यूमेंट्स बनवाने और उन्हें यहां रहने में मदद करने वाले पूरे नेटवर्क में संलिप्त सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। अवैध घुसपैठियों का मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है और इसमें पूरी सख्ती के साथ काम हो और उन्हें चिह्नित कर डिपोर्ट किया जाए। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद, दिल्ली के मुख्य सचिव, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा, आसूचना ब्यूरो के निदेशक सहित केंद्रीय गृह मंत्रालय, दिल्ली सरकार एवं दिल्ली पुलिस के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राम भरोसे चल रही ...

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार दिशाहीन हो चुकी है और प्रदेश की जनता को इस सरकार से कोई उम्मीद नहीं रखनी चाहिए। नड्डा ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने राफेल जेट, बुलेटप्रूफ जैकेट, 70 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट, मेड इन इंडिया और ऑटोमोबाइल सेक्टर में जापान को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने हिमाचल में एम्स, पीजीआई सैटेलाइट सेंटर, चार मेडिकल कॉलेज, मदर एंड चाइल्ड अस्पताल, कैंसर सेंटर और सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जब भी प्रदेश में भाजपा सरकार आई, तब-तब विकास हुआ। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब मैं हिमाचल में विधायक था, तब 95फीसदी गांवों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पक्की सड़कें मिलीं। पहले एक विधायक को 50 सड़कों के लिए मात्र 40 लाख रुपए मिलते थे, लेकिन भाजपा सरकार में विकास कार्यों के लिए बजट बढ़ाया गया। नड्डा ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार की हालत यह हो गई है कि प्रदेश में कभी मुर्गे और कभी समोसे की जांच के आदेश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल विनाश की राजनीति करती है, जबकि भाजपा हमेशा विकास की राह पर चलती है। हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज का जिक्र करते हुए नड्डा ने बताया कि जब स्वर्गीय बाली इसे नगरोटा ले गए थे, तब निर्माण कार्य रुक गया था। इसके बाद जब केंद्र में भाजपा सरकार आई तो इस कॉलेज को मात्र तीन वर्षों में पूरा किया गया। नड्डा ने कहा कि हिमाचल सरकार आयुष्मान भारत योजना को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर पा रही है। प्रदेश में 355 करोड़ रुपए की देनदारी अभी भी बकाया है और हिम केयर योजना भी प्रभावी रूप से संचालित नहीं हो रही। पीजीआई में हिम केयर के 14.5 करोड़ रुपए का भुगतान लंबित है। हमने विभाग को पत्र लिखने को कहा है ताकि यह योजना बंद न हो। भाजपा की विचारधारा पर बात करते हुए नड्डा ने कहा कि यह एक सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कांग्रेस छोड़कर जनसंघ की स्थापना की और धारा 370 हटाने की बात कही। 2019 में केंद्र सरकार ने इसे हटाकर अपना वादा पूरा किया। 1989 में पालमपुर में शांता कुमार की मेजबानी में राम मंदिर निर्माण का संकल्प लिया गया और 2024 में भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो गया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पहले राष्ट्रपति भवन कुछ खास लोगों के लिए हुआ करता था लेकिन अब वहां पूरा भारत बसता है। उन्होंने बिलासपुर के पद्मश्री विजेता हरीमन भाई को सम्मानित करते हुए कहा कि यह बदलते भारत की तस्वीर है। आज पद्मश्री पुरस्कार पाने वालों का चयन जनता कर रही है न कि सरकार। नड्डा ने कहा कि प्रदेश की जनता अब कांग्रेस सरकार से तंग आ चुकी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आगामी चुनावों में भाजपा का समर्थन करें ताकि प्रदेश में फिर से विकास की गति तेज हो सके। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि जनता की सेवा के लिए राजनीति करती है और यही इसकी पहचान है।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स ...

में आतंकवाद से जुड़ी मौतों में पिछले 5 वर्षों से लगातार इजाफा हो रहा है। पिछले 10 वर्षों के दौरान साल दर साल वृद्धि हुई। साल 2024 में पाकिस्तान भर में आतंकवादी हमलों में 45 फीसदी का इजाफा देखने को मिला। 2023 में कुल 517 आतंकी हमलों को अंजाम दिया गया। मगर 2024 में यह आंकड़ा दोगुना होकर 1099 तक पहुंच गया। जीटीआई की स्थापना के बाद यह पहली बार जब पाकिस्तान में 1000 से अधिक आतंकी हमलों को रिकॉर्ड किया गया। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) लगातार दूसरे वर्ष पाकिस्तान में सबसे तेजी से बढ़ने वाला समूह और सबसे घातक संगठन बनकर उभरा है। पाकिस्तान में साल 2023 में कुल 293 लोगों की जान आतंकी हमलों में गई थी। 2024 में यह आंकड़ा 585 मौतों तक पहुंच गया। देशभर में आतंकी हमलों में हुई 52 फीसद मौते के पीछे टीटीपी का हाथ था। बता दें कि अफगानिस्तान की सत्ता में तालिबान के काबिज होने के बाद से ही पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में इजाफा हुआ है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान सीमा पर कई आतंकी संगठनों ने हमलों को तेज कर दिया है। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत आतंक से सबसे अधिक प्रभावित हैं। 2024 में 96 फीसद मौतें और आतंकी हमले इन्हीं दो राज्यों में हुए हैं।

रणवीर और अपूर्वा ...

से महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने उनके पक्ष को जाना। सभी से आधे-आधे घंटे तक उनको सुनने के बाद उन्होंने सभी इन्फ्लुएंसर को सख्त हिदायत दी है। हालांकि इस बारे में वे शुक्रवार को मीडिया में आयोग का पक्ष रखेंगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना समेत इंडियाज गॉट लेटेंट शो में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए सभी संबंधित यूट्यूबर्स को आयोग के मुख्यालय तलब किया था। पहले दी गई तारीख में रणवीर इलाहाबादिया उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए नई तारीख देने का अनुरोध किया था।

तमिलनाडु में मुखिया ...

कर दिया गया। बहिष्कार के खिलाफ जिला कलेक्टर के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने पर पुलिस ने कथित तौर पर 8 परिवारों के 30 लोगों को गिरफ्तार किया था। आयोग ने पाया है कि समाचार रिपोर्ट की सामग्री यदि सच है तो यह पीड़ित परिवारों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है। इसलिए आयोग ने तमिलनाडु में तेनकासी के जिला कलेक्टर को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। 20 फरवरी, 2025 को प्रसारित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पीड़ित परिवारों को स्थानीय दुकानों, अन्य सुविधाओं तक पहुंचने और अन्य निवासियों के साथ संवाद करने से रोक दिया गया था। कथित तौर पर राजस्व प्रभागीय अधिकारी ने ग्राम प्रधान के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उसके निर्देशों को रद्द करने के लिए उसके साथ शांति वार्ता आयोजित की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

गौरव गोगोई को राजद्रोह के आरोपों पर जवाब देना चाहिए : भाजपा

भाजपा का अल्टीमेटम : *एडवांटेज असम 2025* के खिलाफ साजिश बंद करें गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई *एडवांटेज असम 2025* को लेकर भ्रामक प्रचार करने का प्रयास कर रहे हैं। जनता को गुमराह करने और इस बड़े निवेश सम्मेलन को बाधित करने में विफल रहने के बाद, अब कांग्रेस नेतृत्व हताशा और ईर्ष्या में साजिशों पर उतर आया है। भाजपा असम प्रदेश के प्रवक्ता सुभाष दत्ता ने एक जारी बयान में कहा कि लगभग पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर होने से कांग्रेस नेताओं में हताशा और जलन की भावना घर कर गई है। दत्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में विभिन्न राज्यों में निवेश शिखर सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। एनडीए सरकार स्पष्ट नीति के तहत निवेश आकर्षित करने के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर प्रयासरत है। दत्ता ने कांग्रेस को संकीर्ण मानसिकता वाली पार्टी बताते हुए कहा कि इसी सोच के कारण असम पिछड़ा रह गया था। लेकिन, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में अब असम का युवा पीछे नहीं रहेगा। असम को देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल करने का लक्ष्य है। गौरव गोगोई को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर आरोपों पर जवाब देना चाहिए : विधायक मानव डेका लखीमपुर के विधायक मानव डेका ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर आरोपों पर चुप क्यों हैं? कई रिपोर्टों में उनके और उनकी पत्नी के राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से जुड़े होने के दावे किए गए हैं, लेकिन उन्होंने अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। डेका ने कहा कि गौरव गोगोई हर मुद्दे पर मुखर रहते हैं, लेकिन उनकी पत्नी एलिजाबेथ की पाकिस्तान यात्राओं और अली तौकीर जैसे भारत विरोधी तत्वों से कथित संबंधों पर वे चुप्पी साधे हुए हैं। उनकी चुप्पी उनकी जिम्मेदारी से बचने का प्रमाण है। उन्होंने गौरव गोगोई द्वारा *एडवांटेज असम 2.0* पर दिए गए बयान पर भी हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद ने एक वीडियो में भारत का विकृत नक्शा दिखाया था। क्या गौरव गोगोई कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं मानते? वह किसके इशारे पर कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं? या फिर यह उनकी पत्नी के प्रभाव में किया गया? डेका ने कांग्रेस सांसद को चुनौती देते हुए कहा कि वे पहले अपने ऊपर लगे गंभीर आरोपों पर सफाई दें, न कि झूठा प्रचार करें।

अवैध चावल जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राष्ट्रीय राजमार्ग से लगातार अवैध चावल से भरे वाहन गुजरते रहते हैं। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और गड़चुक पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर बशिष्ठ इलाके में चांगसारी टोलगेट के पास से 240 बोरी अवैध सरकारी चावल जब्त किया। सूत्रों के अनुसार, बरपेटा के बाघबर से अवैध रूप से चावल मेघालय ले जाया जा रहा था। इस तस्करी का मास्टरमाइंड बरपेटा के एक अवैध चावल व्यापारी साहिद बताया जा रहा है। पुलिस ने चावल से लदे वाहन (एएस- 28 एसी 0203) को जब्त कर लिया है और दो सप्लायरों जालाल देवान और जरीफ अली को गिरफ्तार किया है।

बशिष्ठ पुलिस ने किया शातिर चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बशिष्ठ पुलिस ने चोरी के एक मामले में दो चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बुधवार रात गुवाहाटी के भेटापाड़ा इलाके में सुरभि सोनोवाल नामक महिला के घर चोरी की घटना हुई थी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद बाक्सा जिले के सद्दाम अली और बंगाईगांव के नुरुल अमिन को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से सोने के आभूषण, पांच मोबाइल फोन, नकदी और चोरी में इस्तेमाल किए गए कुछ सामान बरामद हुए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री सिंघल ने भाओना पर नकारात्मक टिप्पणी के आरोप को किया खारिज

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने गुरुवार को सोशल मीडिया के माध्यम से स्पष्ट किया कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की अनुपम रचना भाओना को लेकर उनके द्वारा नकारात्मक टिप्पणी किए जाने का प्रचार पूरी तरह से निराधार है। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की है। लेकिन, इस पूरे विषय को लेकर कुछ मीडिया संस्थानों में विभिन्न प्रकार की खबरें प्रसारित की जा रही हैं, जिससे जनमानस में गलत धारणा उत्पन्न हो रही है। सिंघल ने कहा कि यह विषय किसी के मन को ठेस पहुंचा सकता है। मैं अनावश्यक विवाद नहीं चाहता, लेकिन यदि इससे किसी को दुख पहुंचा है, तो मैं क्षमा प्रार्थी हूं। मेरा उद्देश्य कभी भी किसी की भावनाओं को आहत करना नहीं रहा है। क्या है भाओना? भाओना असम की पारपंरिक धार्मिक और सांस्कृतिक नाट्य प्रस्तुति है, जिसे महान संत-विद्वान श्रीमंत शंकरदेव ने विकसित किया था। यह कृष्ण लीला और अन्य पौराणिक कथाओं पर आधारित होती है और असम के शंकरी समाज में इसका विशेष महत्व है। इसे विशेष रूप से सत्संगी समाज और नामघर परंपरा में बड़े सम्मान के साथ देखा जाता है। स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल के इस स्पष्टीकरण के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मामले को लेकर उठे विवाद पर विराम लगता है या नहीं।

ऑल असम स्वास्थ्य एवं तकनीकी कल्याण संघ का तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार का तीसरा दिन

बंगाईगांव (हिंस)। ऑल असम स्वास्थ्य एवं तकनीकी कल्याण संघ का कहना है कि अगर आज सरकार हमें आश्वासन नहीं देती है, तो एनएचएम और ऑल असम स्वास्थ्य एवं तकनीकी कल्याण संघ उग्र आंदोलन करेगा। गौरतलब है कि राज्यभर में ऑल असम स्वास्थ्य एवं तकनीकी कल्याण संघ का तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार जारी है। आज तीसरे दिन भी बंगाईगांव सिविल अस्पताल में कार्य ठप है। पहले से ही अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सों की कमी है। कुल 46 नर्सों में से एनएचएम की 28 नर्सें हड़ताल पर हैं। 10 लैब टेक्नीशियन में से 8 कार्य बहिष्कार में शामिल हैं, जिससे अस्पताल प्रशासन संकट में पड़ गया है। समान काम के लिए समान वेतन और विभिन्न बुनियादी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ऑल असम स्वास्थ्य एवं तकनीकी कल्याण संघ (एनएचएम) ने तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार का कार्यक्रम शुरू किया है। आज बंगाईगांव में यह कार्यक्रम जिला संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया।

बोड़ोलैंड टूरिज्म ने गोलागांव नामक गांव को लिया गोद

16 सदस्यीय टीम मावलिननांग की यात्रा पर रवाना

कोकराझार। (आईएएनएस) बोड़ोलैंड टूरिज्म ने मानस राष्ट्रीय उद्यान (बांसबाड़ी रेंज) के पास स्थित गोलागांव नामक एक गांव को गोद लिया है। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) सरकार आजीविका को मजबूत करने और क्षेत्र को प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गांव गोद लेने जैसी रणनीतिक पहलों के माध्यम से, बीटीआर अपनी समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देना जारी रखता है। इस वर्ष राष्ट्रीय पर्यटन दिवस (25 जनवरी, 2025) पर पर्यटन के कार्यकारी निदेशक धर्म नारायण दास द्वारा गोलागांव गांव को गोद लेने की औपचारिक घोषणा की गई। इस पहल के एक हिस्से के रूप में, 11 पुरुषों और पांच महिलाओं वाली 16 सदस्यीय टीम आज एशिया के सबसे स्वच्छ गांव के रूप में विख्यात मेघालय के मावलिननांग की एक दिवसीय यात्रा पर रवाना हुई। इस यात्रा का नेतृत्व बोड़ोलैंड पर्यटन के ओएसडी सनत कुमार महंत कर रहे हैं। बोडोलैंड पर्यटन के निदेशक सह केंद्रीय पर्यटन निदेशक जयंत शर्मा ने कहा कि इस भ्रमण यात्रा का उद्देश्य टीम को स्वच्छता, टिकाऊ पर्यटन और समुदाय-नेतृत्व वाले संरक्षण प्रयासों में सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।

एनएचएम कर्मचारियों ने स्थायी नौकरी और समान अधिकारों की मांग को लेकर किया विरोध-प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों ने स्थायी नौकरी और न्यायसंगत अधिकारों की मांग को लेकर गुरुवार को राजधानी के पांडु बोरीपारा एफआरयू मेडिकल कैंपस के सामने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। एनएचएम कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर इस आंदोलन में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कोविड महामारी के दौरान उन्होंने फ्रंटलाइन वॉरियर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, फिर भी उनकी नौकरियां अभी तक स्थायी नहीं की गई हैं। वे लंबे समय से अनुबंध आधारित नियुक्ति पर काम कर रहे हैं। आंदोलन करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों ने सरकार से मांग की है कि उनकी नौकरियों को स्थायी किया जाए, वेतन बढ़ाया जाए और न्यायसंगत छुट्टियों की सुविधा प्रदान की जाए। लेकिन सरकार ने अब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया है, जिससे मजबूर होकर उन्होंने आंदोलन का रास्ता अपनाया। एफआरयू कैंपस के सामने आयोजित इस विरोध-प्रदर्शन में करीब सौ से अधिक एनएचएम कर्मचारियों ने भाग लिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि सरकार उनकी न्यायसंगत मांगों को स्वीकार नहीं करती है, तो वे और बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। एनएचएम कर्मी लगातार तीन दिनों से राज्य भर में आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलनकारियों ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान हमने अपनी जान जोखिम में डालकर काम किया था। लेकिन आज हमारा भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। सरकार ने जो वादे किए थे, वे आज तक पूरे नहीं हुए हैं। हम अपने न्यायसंगत अधिकारों से पीछे नहीं हटेंगे। इस विरोध-प्रदर्शन के कारण अस्पताल परिसर में तनाव का माहौल बन गया और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अब यह देखना होगा कि सरकार एनएचएम के कर्मचारियों की मांगों पर क्या कदम उठाती है। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार राज्य के अन्य हिस्सों के साथ रंगिया में एनएचएम कमियों ने विरोध-प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत डॉक्टरों और कर्मचारियों की नौकरियों को नियमित करने सहित अन्य विभिन्न मांगों को लेकर रंगिया के मॉडल अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा यह हड़ताल की गई। उन्होंने सातवें वेतन आयोग के तहत वेतन भुगतान करने की भी मांग की। उन्होंने बताया कि एनएचएम के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र में सेवा दे रहे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की नौकरियों को नियमित करने का सरकार द्वारा वादा किया गया था, परन्तु इस क्षेत्र में अभी तक कोई भी कदम नहीं उठाया गया है। वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा की जा रही हड़ताल को लेकर रोगियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

असम पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के परिणाम घोषित

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस सब-इंस्पेक्टर पद की *संयुक्त लिखित परीक्षा 2025* (कंबाइंड रिटेन टेस्ट 2025) के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। इस परीक्षा का आयोजन 5 जनवरी, 2025 को *स्टेट लेवल पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड* (एसएलपीआरबी) द्वारा 203 रिक्त पदों के लिए किया गया था। गुरुवार सुबह 11 बजे परीक्षा के परिणाम एसएलपीआरबी की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटएएलआरपीबीअसम. इन पर जारी किए गए। इन 203 पदों में असम पुलिस के 144 पद सब-इंस्पेक्टर (नि:शस्त्र), सात पद असम पुलिस (कम्युनिकेशन) के लिए, 51 पद असम कमांडो बटालियन के लिए और एक पद सिविल डिफेंस के असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर (जूनियर) के लिए निर्धारित हैं। लिखित परीक्षा उत्तीर्ण उम्मीदवारों को अब शारीरिक मानदंड परीक्षण (पीएसटी) और शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) देनी होगी, जो 17 मार्च से गुवाहाटी स्थित चौथी असम पुलिस बटालियन परिसर में आयोजित की जाएगी। एसएलपीआरबी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 17 मार्च को सुबह 7:00 बजे से असम पुलिस एसआई और एपीआरओ एसआई (महिला उम्मीदवारों के लिए) पीईटी होगा। जबकि, 18 मार्च की सुबह 7:00 बजे से असम कमांडो बटालियन एसआई (महिला उम्मीदवारों के लिए), 19-20 मार्च को सुबह 7:00 बजे से असम पुलिस एसआई (यूबी) और एपीआरओ एसआई (कम्युनिकेशन) (पुरुष उम्मीदवारों के लिए) तथा 21 मार्च को सुबह 7:00 बजे से असम कमांडो बटालियन एसआई (पुरुष उम्मीदवारों के लिए) पीईटी होगा। उत्तीर्ण उम्मीदवार 9 मार्च सुबह 11 बजे से एसएलपीआरबी की वेबसाइट से पीएसटी और पीईटी के लिए अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

श्री श्याम सत्संग मंडल का श्याम जयंती महोत्सव 10 से

गुवाहाटी। महानगर की सबसे पुरानी धार्मिक संस्थाओं में से एक श्री श्याम सत्संग मंडल की सभा पिछले दिनों आयोजित की गई, जिसमें मंडल के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस सभा में खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु के आगामी 56वें फाल्गुन उत्सव को लेकर विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। पूर्वोत्तर के सर्वाधिक लोकप्रिय श्री श्याम सत्संग मण्डल (रजि.), गुवाहाटी का दो दिवसीय 56 वां श्री श्याम जयंती महोत्सव उत्तरोत्तर अभिवृद्धि पूर्वक रूप में हर्षोल्लास पूर्वक होना सुनिश्चित हुआ है। इस दौरान उपस्थित सभी ने श्री श्याम जयंती महोत्सव का गौरवशाली 56वां वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से विराट रूप से मनाने का निर्णय लिया। फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित साधना मंदिर प्रांगण में दो दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ आगामी 10 मार्च से किया जाएगा, जिसका समापन 11 मार्च को होगा। आयोजकों ने बताया कि श्री श्याम सत्संग मंडल का इस वर्ष गौरवशाली 56वां वर्ष है। श्री श्याम जयंती महोत्सव के पहले दिन पूजा-अर्चना, अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित कर महाआरती की जाएगी। तत्पश्चात 24 घंटा व्यापी श्री श्याम संकीर्तन का शुभारंभ किया जाएगा। वहीं शाम 7 बजे से रुकनसर धाम, रामगढ़ सेखावटी से पथारे कैलाश नाथ महाराज के पावन सान्निध्य में भजन सम्राट गुलाब नाथ महाराज तथा देश के जाने माने आमंत्रित गायक कलाकार राहुल सांवरा आदि द्वारा अपने-अपने भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इधर महोत्सव के दूसरे दिन 11 मार्च को हवन, पूर्णाहुति, भजन कीर्तन, महाआरती के पश्चात बाबा को छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया जाएगा एवं श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई है। वहीं शाम शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। हालांकि शोभायात्रा आयोजन हेतु प्रशासन द्वारा औपचारिक अनुमति की प्रतिक्षा है। मंडल की ओर से सभी भक्तों से दो दिवसीय श्री श्याम महोत्सव में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया गया है।

एडीआरई परीक्षा परिणाम 2025 आज जारी किए जाएंगे

गुवाहाटी। असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई) 2025 के परिणाम 7 मार्च को जारी किए जाएंगे ये परिणाम परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होंगे। एडीआरई 2025 में ग्रेड 3 पदों के लिए कुल 7, 650 रिक्तियां और ग्रेड 4 पदों के लिए कुल 5, 023 रिक्तियां हैं। इस भर्ती अभियान का उद्देश्य राज्य भर में विभिन्न सरकारी पदों को भरना है, जिससे असम में पात्र व्यक्तियों को पर्याप्त अवसर प्रदान किए जा सकें। एडीआरई परीक्षा में उपस्थित होने वाले अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइटों के माध्यम से अपने परिणाम ऑनलाइन देख और डाउनलोड कर सकेंगे।

अवैध गतिविधियों में लिप्त दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश की राजधानी में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें ड्रग की तस्करी में और दूसरा तीर सट्टेबाजी(एक तरह का जुआ) में लिप्त था। पुलिस मुख्यालय ने गुरुवार को बताया कि भगदत्तपुर चौकी पुलिस ने इलाके से एक अवैध तीर (एक तरह का जुआ) सट्टेबाज को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान दरंग वासी असद अली (48) के रूप में की गई है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल सेट, नकदी तथा कुछ अन्य आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की गई हैं। वहीं, दूसरी घटना में जालुकबारी पुलिस थाना की महिला टीम ने लाचित पार्क के पास छापा मार कर भूतनाथ वासी समीर अली को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 41 शीशियों में 54.48 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है।

होली उत्सव के उपलक्ष्य पर उल्लास महिला समिति का रंगारंग कार्यक्रम

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी महानगर की समाजसेवी महिलाओं की संस्था उल्लास महिला समिति ने समाज सेवा के साथ-साथ सदस्योंओं के बीच आपसी सद्भाव और समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से होली के उपलक्ष्य में होली उत्सव का आयोजन कुमारपाड़ा के काके दी हट्टी में आयोजित किया। जिसका शुभारंभ समिति की अध्यक्ष मंजू बेगवानी, सचिव राज सुराणा, कोषाध्यक्ष अमिता भंसाली और रेनू सुराणा ने भगवान गणेश के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित करके किया। अमिता भंसाली और राज सुराणा ने गणेश वंदना से सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर समिति की अध्यक्षा मंजू बेगवानी ने सभी सदस्योंओ को अबीर गुलाल लगाते हुए स्वागत भाषण में बताया कि 2010 में स्थापना हुई महिलाओं की इस संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा और जन कल्याण के कार्यक्रम करना है। समिति के सौजन्य से शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल सेवा एवं वृद्ध आश्रम में सहयोग आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कैंसर हॉस्पिटल एवं अन्य चिकित्सा संस्थान में जरूरमंद के सामान भी प्रदान किए जाते हैं। कई जगह ठंडे पानी की मशीन लगाकर पेयजल सेवा में भी यह संस्था हमेशा आगे रही है। समिति की सदस्योंओ के बीच आपसी सद्भाव और सामंजस्य बनाने के उद्देश्य से होली एवं दीपावली प्रीति सम्मेलन का भी आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में आज होली उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में कार्यक्रम संचालिका कुसुम बैद ने सभी सदस्या बहनों को होली की उपाधि देकर कार्यक्रम में हंसी का माहौल बना दिया। कार्यक्रम संयोजिका मीनू दुधोड़िया और कविता जोगड के नेतृत्व में गीत नृत्य का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उषा सुराणा, रंजना भंसाली, शशि सुराणा, उर्मिला दुग्गड़, निर्मला दुग्गड़, बीणा चौरड़िया, चंद्रकांता घोड़ावत, मंजू दुग्गड़, सुमन बोथरा ने नृत्य एवं लघु नाटिका प्रस्तुत की। श्वेता सुराणा, सुनीता गुजरानी और सरोज दुग्गड़ ने होली का गीत प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान समिति की पूर्व अध्यक्षा चंद्रकांता घोड़ावत और अमराव बोथरा का होली की परंपरा के अनुसार अभिनंदन किया गया। कोषाध्यक्ष अमिता भंसाली ने बताया कि समिति के पास जो भी धन संग्रह होता है वह सारा समाज सेवा एवं जन कल्याण के कार्यों में ही खर्च किया जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी 61 सदस्योंओ को होली का उपहार भी वितरण किया गया। समिति की सचिव राज सुराणा ने सभी सदस्योंओं का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया।

नगांव : श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति की साधारण सभा संपन्न

नई कार्यकारिणी गठित

नगांव (निसं)। शहर की सबसे पुरानी धार्मिक संस्थाओ में एक श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति की साधारण सभा प्रहलाद राय तोदी की अध्यक्षता में श्री मारवाड़ी पंचायत धर्मशाला में मंगलवार को संपन्न हुई। सभा प्रारंभ की घोषणा के बाद सचिव राजेन्द्र प्रसाद मुंदड़ा ने पिछली सभा का प्रतिवेदन पाठ किया। कोषाध्यक्ष महेन्द्र कर्वा ने आय व्यय का व्यौरा प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया। बाद में वर्तमान कार्यकारिणी समिति को भंग कर के आगामी सत्र के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। जिसमें प्रहलाद राय तोदी को अध्यक्ष, राजेन्द्र प्रसाद मुंदड़ा को सचिव, महेंद्र कर्वा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अन्य पदाधिकारीगण इस प्रकार है। नेमीचंद डाबड़ीवाल, जुगल किशोर जाजोदिया, जगदीश प्रसाद लोहिया, दिलीप बगड़िया, रतन कुमार जाजोदिया, पवन कुमार गाडोदिया, विनोद मोर व रघुवीर प्रसाद आलमपुरिया सभी उपाध्यक्ष, अजित माहेश्वरी, संजय गाड़ोदिया, पवन आलमपुरिया, संजय मित्तल व प्रदीप अग्रवाल सभी संयुक्त सचिव, अजय मित्तल, अशोकशर्मा, सुनीलआलमपुरिया व शिवचरण पोद्दार सभी उप सचिव। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी समिति और स्वागत समिति में काफी लोगो को जोड़ा गया है। उल्लेखनीय है कि श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के तत्वधान में चार दिवसीय विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ आगामी 12 अप्रैल से 15 अप्रैल तक श्री हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया जाएगा और इस उपलक्ष पर विराट मेले की तैयारी को लेकर भी सभा में चर्चा हुई। जिसमें विभिन्न पहलुओ पर विचार विमर्श के बाद कार्यकारिणी समिति के सदस्यो को लेकर कार्यो का दायित्व देते हुए एक सशक्त उप समिति का गठन किया गया जो इस प्रकार है। पवन गाड़ोदिया, संयोजक विद्युत विभाग, विनोद मोर, संयोजक प्रशासनिक व्यवस्था, जगदीश प्रसाद सोलंकी, संयोजक अर्थ संग्रह, मुकेश पोद्दार, संयोजक मेला बाजार, पवन आलमपुरिया, संयोजक श्रृंगार व भजन-कीर्तन, जगदीश प्रसाद धूत, संयोजक प्रसाद विभाग, अजय मित्तल, संयोजक शोभायात्रा, महेश गाड़ोदिया, संयोजक मंदिर देखरेख, शिवचरण पोद्दार, संयोजक झांकी प्रदर्शन, विनोद कुमार धूत, संयोजक सफाई विभाग, महावीर झंवर, संयोजक पादुका सेवा व अभिषेक, कैलाश मुंदड़ा, संयोजक पंडाल व्यवस्था व अजित माहेश्वरी, संयोजक जन संपर्क व मंच संचालन।

संपादकीय

सौदेबाजी का ट्रंप कार्ड

बीते शुक्रवार अमेरिका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच जो अप्रिय विवाद हुआ, उसे पूरी दुनिया ने देखा। विश्व की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच पहली बार ऐसी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। शायद यह मामला उजागर न होता यदि दोनों नेता प्रेसवार्ता में टीवी कैमरों के सामने न बैठे होते। दरअसल, एक तरफ बड़बोले ट्रंप थे तो दूसरी ओर कूटनीति में अपरिपक्व कहे जाने वाले जेलेंस्की थे, जो रूस से निरंतर खतरे को देखते हुए सुरक्षा की गारंटी मांग रहे थे। वहीं ट्रंप यूक्रेन को दी मदद की कीमत उसके खनिज भंडारों पर कब्जे के रूप में मांग रहे थे। निस्संदेह, तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने यूक्रेन की भरपूर मदद की। यदि यूक्रेन युद्ध में टिक पाया तो उसके पीछे अमेरिका व यूरोपीय देशों की आर्थिक व सैन्य मदद थी। लेकिन सत्ता बदलने के बाद ट्रंप कहते रहे हैं कि अमेरिका के करदाताओं का पैसा यूं युद्ध में नहीं झोंका जा सकता, यूक्रेन को मदद की कीमत चुकानी होगी। वैसे खुलेआम युद्ध विराम के लिये सौदेबाजी से अमेरिका की छवि को लेकर कोई अच्छा संदेश दुनिया में नहीं गया। निस्संदेह, ट्रंप की युद्धविराम की कोशिश सार्थक पहल है लेकिन शांति की कीमत वसूलना सभ्य समाज के लिये कोई अच्छी बात भी नहीं है। दरअसल, यूक्रेन प्रस्तावित समझौते में खुद को छला महसूस कर रहा है। एक तो रूस के द्वारा कब्जाये क्षेत्र को वापस न देने की बात की जा रही है तो दूसरे इस बात की गारंटी भी नहीं दी जा रही है कि रूस फिर से हमला नहीं करेगा। दरअसल, जेलेंस्की रूस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। इस लिये उसकी सोच रही है कि पहले अमेरिका उसे सुरक्षा की गारंटी दे। ऐसी मांग करना कोई गलत भी नहीं है क्योंकि पिछले तीन साल से यूक्रेन लगातार रूस के घातक हमलों को झेल रहा है। लेकिन पूरी दुनिया में यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि ट्रंप शांति स्थापना के प्रयासों की कीमत यूक्रेन के बहुमूल्य खनिज कब्जाकर वसूलें। फिलहाल ट्रंप व जेलेंस्की की नोकझोंक के बाद समझौता व युद्धविराम का मसला खटाई में जाता दिख रहा है। लेकिन हकीकत यह भी है कि यूरोपीय देशों के यूक्रेन के पक्ष में एकजुट होने के बाद भी उसका लंबे समय तक युद्ध में टिका रहना संभव न होगा। यही वजह है कि यूरोप के भरपूर समर्थन के बावजूद निश्चित नहीं कहा जा सकता कि यूक्रेन रूस का मुकाबला पहले ही तरह कर पाएगा। वहीं वजह साफ है कि नाटो के यूरोपीय सदस्य बिना अमेरिकी मदद के यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। वहीं दूसरी ओर कूटनीतिज्ञों का कहना है कि एक महाशक्ति से युद्धरत रहते हुए यूक्रेन दूसरी महाशक्ति को नाराज नहीं कर सकता। दरअसल, यूक्रेन में रूस ही नहीं, अमेरिका व यूरोपीय देश भी अपने हित देखकर कदम उठा रहे हैं। कहा जा रहा है कि ट्रंप से टकराव की कीमत यूक्रेन को चुकानी पड़ सकती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलेंस्की के व्हाइट हाउस आने से पहले ट्रंप जोर्डन, ब्रिटेन, फ्रांस के शीर्ष नेताओं के साथ तल्ख व्यवहार कर चुके थे। हालांकि, भारतीय प्रधानमंत्री ट्रंप से मुलाकात के दौरान किसी भी टकराव को टालने को अपनी प्राथमिकता बनाए रहे। भारत को पता है कि ट्रंप जब कनाडा व यूरोपीय देशों के नेताओं को नहीं बख्श रहे तो हमें अपने सम्मान व हितों की रक्षा खुद करनी होगी। वह भी तब जब ट्रंप अमेरिका फर्स्ट का नारा लगातार लगा रहे हैं। उन्होंने टैरिफ लगाने में गोरे देश कनाडा तथा चीन को भी नहीं बख्शा। भारत के टैरिफ के भेदभाव को लेकर ट्रंप लगातार मुखर रहे हैं। कथित अवैध अप्रवासी भारतीयों के साथ अमेरिका ने जैसा अमानवीय व्यवहार किया, वह किसी से छिपा नहीं है। भारत को अच्छी तरह पता है कि हमारा सदाबहार मित्र रूस अब ट्रंप के करीब है और ब्रिक्स के देश चीन के ज्यादा नजदीक हैं। ऐसे में हमें अपने हितों की रक्षा अपने बूते ही करनी होगी।

विश्व की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच पहली बार ऐसी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। शायद यह मामला उजागर न होता यदि दोनों नेता प्रेसवार्ता में टीवी कैमरों के सामने न बैठे होते। दरअसल, एक तरफ बड़बोले ट्रंप थे तो दूसरी ओर कूटनीति में अपरिपक्व कहे जाने वाले जेलेंस्की थे, जो रूस से निरंतर खतरे को देखते हुए सुरक्षा की गारंटी मांग रहे थे। वहीं ट्रंप यूक्रेन को दी मदद की कीमत उसके खनिज भंडारों पर कब्जे के रूप में मांग रहे थे। निस्संदेह, तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने यूक्रेन की भरपूर मदद की। यदि यूक्रेन युद्ध में टिक पाया तो उसके पीछे अमेरिका व यूरोपीय देशों की आर्थिक व सैन्य मदद थी। लेकिन सत्ता बदलने के बाद ट्रंप कहते रहे हैं कि अमेरिका के करदाताओं का पैसा यूं युद्ध में नहीं झोंका जा सकता, यूक्रेन को मदद की कीमत चुकानी होगी। वैसे खुलेआम युद्ध विराम के लिये सौदेबाजी से अमेरिका की छवि को लेकर कोई अच्छा संदेश दुनिया में नहीं गया। निस्संदेह, ट्रंप की युद्धविराम की कोशिश सार्थक पहल है लेकिन शांति की कीमत वसूलना सभ्य समाज के लिये कोई अच्छी बात भी नहीं है। दरअसल, यूक्रेन प्रस्तावित समझौते में खुद को छला महसूस कर रहा है।

राजनीति और राजनेताओं की ओर न देखकर नए विकल्प खोजने की तैयारी करनी चाहिए

केजरीवाल के लिए जी का जंजाल बनी कैग रिपोर्ट

राकेश कुमार आर्य

दिल्ली में कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार को सत्ता से बाहर फेंकने में सफल हुए केजरीवाल उस समय देश के प्रमुख नेताओं को भ्रष्टाचारी कहकर कोसते फिरा करते थे। उन्होंने मुलायम सिंह यादव, सोनिया गांधी, शरद पवार और मायावती जैसी राजनीतिक हस्तियों को नाक से पानी पिला दिया था। लोगों ने केजरीवाल को राजनीति में एक नई आशा के रूप में देखा था। देश के अधिकांश लोगों को ऐसा लगा था कि वह राजनीति में कुछ नया कर पाने में सफल होंगे।

जो अपने आप को कट्टर ईमानदार कहते थे, वे इस समय कट्टर बेईमान सिद्ध हो चुके हैं। कभी कैग की रिपोर्ट को आधार बनाकर दिल्ली में कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार को सत्ता से बाहर फेंकने में सफल हुए केजरीवाल उस समय देश के प्रमुख नेताओं को भ्रष्टाचारी कहकर कोसते फिरा करते थे। उन्होंने मुलायम सिंह यादव, सोनिया गांधी, शरद पवार और मायावती जैसी राजनीतिक हस्तियों को नाक से पानी पिला दिया था। लोगों ने केजरीवाल को राजनीति में एक नई आशा के रूप में देखा था। देश के अधिकांश लोगों को ऐसा लगा था कि वह राजनीति में कुछ नया कर पाने में सफल होंगे। दिल्ली की जनता ने उन्हें दिल्ली की कमान सौंपकर सारे देश को यह संदेश दिया था कि अब प्रचलित राजनीति और राजनेताओं की ओर न देखकर नए विकल्प खोजने की तैयारी करनी चाहिए। केजरीवाल धूमकेतु की भांति राजनीति के शिखर पर चढ़े। राजनीति को उन्होंने अपनी चमक से एक बार भौचक्का सा कर दिया था। तब किसी ने भी यह नहीं सोचा था कि वह इतनी शीघ्रता से नीचे आ जाएंगे ? परन्तु आज का सच यही है कि केजरीवाल अपने राजनीतिक जीवन के सबसे बुरे दिनों से गुजर रहे हैं। उनके कर्मों का फल ऐसा ही आना था। उन्होंने राजनीति में 'रेवड़ी संस्कृति' को स्थापित कर एक नई राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को जन्म दिया। जिसमें जनता के लोक कल्याणकारी कार्यों की ओर ध्यान न देकर देश प्रदेश के खजाने को खाली करने पर राजनेताओं ने ध्यान देना आरंभ किया। निसंदेह भाजपा ने भी इस 'राजनीतिक अपसंस्कृति' को अपनाने में कोई संकोच नहीं किया। यह कितना रोचक तथ्य है कि जो केजरीवाल कभी कैग की रिपोर्ट को आधार बनाकर शीला दीक्षित को सत्ता से बेदखल करने में सफल हुए थे, आज उन्हीं के लिए कैग की रिपोर्ट जी का जंजाल बन चुकी है। उन्होंने कभी कैग की रिपोर्ट को ही आधार बना कर लोकपाल विधेयक लाने की मांग की थी, परन्तु जब वह सत्ता में आए तो उन्होंने लोकपाल विधेयक लाने की ओर तनिक भी ध्यान नहीं दिया। इसके विपरीत उन्होंने यह दिखाने का प्रयास किया कि वह स्वयं ही लोकपाल हैं अर्थात वे स्वयं इतने ईमानदार हैं कि उन्हें अपने ऊपर किसी लोकपाल को स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है। अपने इसी अहंकारी स्वभाव के कारण उन्होंने जेल जाकर भी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया। यद्यपि दिल्ली सहित सारे

देश की जनता उनसे उस समय यह अपेक्षा कर रही थी कि वे अपने आप को दूध का धुला सिद्ध करने के लिए राजनीति में किसी नए आदर्श की स्थापना करेंगे। केजरीवाल यह भूल गये कि राजनीति अपेक्षाओं का खेल है और जब कोई राजनेता अपेक्षाओं से खिलवाड़ करता है तो समय आने पर उसकी अपनी अपेक्षाएं ही बलि का बकरा बन जाती हैं। इसी को इतिहास की क्रूर नियति कहते हैं। आज के केजरीवाल इसी नियति का शिकार बन चुके हैं। वह देश में रोहिंग्या मुस्लिमों के मसीहा बनते जा रहे थे। बांग्लादेशी घुसपैठियों के वह 'बेताज बादशाह' बन चुके थे। इसी प्रकार खालिस्तानी आतंकियों को भी वह अपना समर्थन दे रहे थे। कथित किसान आंदोलन के उग्रवादी जिस समय लालकिले की प्राचीर पर जाकर अपना झंडा चढ़ा रहे थे, उस समय भी वह किसी बड़े 'राजनीतिक खेल' की प्रतीक्षा कर रहे थे या कहिए कि किसी बड़े भारी विनाश की प्रतीक्षा कर रहे थे, जिसमें वह स्वयं में भविष्य का एक हीरो देख रहे थे। इस प्रकार कट्टर बेईमान कट्टर देश विरोधी शक्तियों के हाथों में खेल रहा था। ऐसे में यदि उसे कट्टर देशविरोधी भी कह दिया जाए तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। उन्होंने राजनीति की शब्दावली को न्यूनतम स्तर पर लाकर राजनीति को घटिया स्वरूप प्रदान किया। राजनीतिक शालीनता को उन्होंने झूठों के पुलिंदों में बदल दिया। यहां तक कि राजनीतिक वेशभूषा को भी उन्होंने पैंट शर्ट अथवा पेंट और टीशर्ट में परिवर्तित कर दिया। 'मफलर संस्कृति' को उन्होंने आम आदमी के नाम पर स्थापित करने का प्रयास किया, परंतु बहुत शीघ्र ही पैंट शर्ट अथवा टी शर्ट और पेंट या मफलर संस्कृति वाले लोग देश के मतदाताओं के लिए घृणा का पात्र बन गए। इसके पीछे केजरीवाल की राजनीतिक कार्य शैली ही महत्वपूर्ण रही। वह भली प्रकार जानते थे कि उन्हें जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने में कांग्रेस का महत्वपूर्ण योगदान रहा था, परंतु इसके उपरांत भी अपनी चालाकी का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को गाली देनी आरंभ की और जनता में यह भ्रांति फैलाने का प्रयास किया कि कांग्रेस नहीं बल्कि भाजपा उन्हें राजनीतिक पूर्वाग्रह के चलते जेल में पहुंचा रही है। जबकि देश की जनता जानती थी कि उन्हें जेल में पहुंचाने का काम न्यायालय कर रहा था। केजरीवाल अपनी प्रशंसा अपने आप ही करते रहे। उन्होंने जनता के सामने अपने आप को न केवल कट्टर ईमानदार साबित करने का प्रयास किया बल्कि सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया की राजनीतिक कार्य शैली को भी सराहने की सारी सीमाओं को लांघ गए। उन्होंने दिल्ली की जनता सहित देश के मतदाताओं में भी यह भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि उनकी शिक्षा नीति न केवल भारत के लिए अपितु सारे विश्व के लिए एक अच्छा मॉडल बन सकती है। जिसे लेकर वह इतने उत्साहित रहे कि मनीष सिसोदिया को राष्ट्रीय पुरस्कार देने की मांग करने से भी नहीं चूके। जबकि यह केजरीवाल ही थे, जिन्होंने भारतीय शिक्षा संस्कारों को कभी अपनी शिक्षा नीति में सम्मिलित नहीं किया। उन्होंने ईसाइयों और मुसलमानों को प्रसन्न करने के लिए भारतीय शिक्षा संस्कारों की दिल्ली की शिक्षा नीति में पूर्णतया उपेक्षा की। वह नहीं चाहते थे कि देश की शिक्षा नीति में वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, दर्शन आदि का चिंतन कहीं स्थान प्राप्त करने में सफल हो सके। देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू की भांति वह कथित भारतीयता को भारत के लिए अपमानजनक मानने वाले नेता हैं। उन्होंने एक तानाशाह की भांति अपने आप को राजनीति में दीर्घकाल तक स्थापित करने का प्रयास किया। इसके लिए उन्होंने हर हथकंडा अपनाया। करोड़ों रुपया उन्होंने विज्ञापनों पर खर्च कर अपने आप को एक मॉडल के रूप में स्थापित करना चाहा। परंतु उनके सारे प्रयास व्यर्थ गए। जनता का अधिक देर तक कोई भी नेता मूर्ख नहीं बना सकता। केजरीवाल भी इसके अपवाद नहीं थे। यद्यपि वह अपने आप को अपवाद समझने की भूल कर रहे थे। उन्होंने अपने चेहरे को चाहे लाख बार छुपाने का प्रयास किया हो, परंतु दिल्ली की जनता ने उनका चेहरा बेनकाब कर दिया। आज बेनकाब केजरीवाल जनता के सामने आने से बच रहे हैं।

दृष्टि कोण

छोटे शहरों के नौजवानों की कहानी आशियाना मैकरॉबर्टगंज

रमन हितकारी आशियाना मैकरॉबर्टगंज में कानपुर के व्राइस्ट चर्च कॉलेज के दोस्त, रेहान फजल के संबंधों और उनके परिवार के साथ अपने बीच घनिष्ठ संबंधों पर भी कलम चलाते हैं। वे एक अध्याय दक्षिण एशिया के अग्रणी पत्रकारों में से एक रेहान फजल को समर्पित करते हैं। छोटे शहरों के नौजवानों की कहानी आशियाना मैकरॉबर्टगंज जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र और शिक्षक गोपालस्वामी पार्थसारथी के प्रति गहरे सम्मान का भाव रखते हैं, जिनकी सरपरस्ती में जेएनयू देश का श्रेष्ठ शिक्षण संस्थान बना। वे जेएनयू के पहले उप वुलपति थे। हालाँकि, एक सवाल पूछने का मन कर रहा हैः क्या जेएनयू बिरादरी उस शख्स के नाम से वाकिफ है जिसने जेएनयू परिसर की शुरुआती इमारतों को डिजाइन किया था? उस शख्सियत का नाम था सी.के. वुकरेजा थे। वे एक सिद्ध वास्तुकार थे। कह सकते हैं कि पार्थसारथी और वुकरेजा ने जेएनयू की बुनियाद रखी थी। आशियाना मैकरॉबर्टगंज' में, नामवर पत्रकार और लेखक रमन हितकारी दोनों के बारे में लिखते हैं। गंगा ढाबा जेएनयू परिसर में गंगा, झेलम और सतलुज छात्रावासों के करीब है। इसे तेजबीर नाम के एक जाट सज्जन चलाते थे। गंगा ढाबा आधी रात के बाद तक खुला रहता। नींबू पानी और बन ऑमलेट गंगा ढाबा के सिग्नेचर पेशकश रहे। नींबू पानी और बन ऑमलेट थोड़ा अजीबोगरीब कांबिनेशन लग सकता है, फिर भी जेएनयू के भीतर इसके काफी चाहने वाले खूब रहे हैं। गंगा ढाबा गवाह है अंतहीन चर्चाओं का। 1982 में, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने नईं दिल्ली रेलवे स्टेशन को पूर्वांचल छात्रावास, जेएनयू से जोड़ने वाला रूट नंबर 615 शुरू किया। उस समय दिल्ली एशियाईं खेलों की मेजबानी करने की तैयारी कर रही थी। शहर का सौंदयाकरण किया जा रहा था और इसे महत्वपूर्ण खेल आयोजन के लिए तैयार किया जा रहा था। तब कईं नए बस मार्ग शुरू किए गए, जिनमें उपर्युत्त 615 शामिल था, जो नईं दिल्ली रेलवे स्टेशन (अजमेरी गेट साइड) और पूर्वांचल छात्रावास के बीच चली थी। रमन हितकारी 'आशियाना मैकरॉबर्टगंज' में इस महत्वपूर्ण बस रूट को याद करते हैंः ठ वो मईं का महीना था, और धूप तेज थी। साल था 1984 का। मैं सफदरजंग बस स्टैंड पर खड़ा था, एक छोटा सा बैग और एक पानी की बोतल लिए। मुझे इंतजार था बस नंबर 615 का जेएनयू पहुंचने के लिए। मुझे जेएनयू में अपनी प्रवेश परीक्षा देने के लिए जाना था। मेरा पेपर दोपहर 2:30 बजे शुरू होने वाला था, और मैं लगभग 1:15 बजे तक बस स्टैंड पर खडाथा। मैं घबराया हुआ था। जब मैंने परीक्षा देने की उम्मीद लगभग छोड़ दी थी, बस नंबर 615 आ गईं। मैं इसमें सवार हो गया।ठ यह 615 के साथ रमन हितकारी के जुड़ाव की शुरुआत थी, जो जेएनयू में अपने पूरे समय में उनके जीवन का एक अभिन्न अंग बना रहा। वास्तव में, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के कईं पीढ़ियों के छात्र इस बस रूट पर निर्भर रहे हैं। वे इससे गहराईं से जुड़े हुए हैं। शिक्षक, छात्र, और जेएनयू से किसी भी तरह से जुड़े किसी भी व्यत्ति के लिए 615 को भुलाना संभव नहीं है। यह सुपर बाजार, पूवा न्यायालय, राष्ट्रीय संग्रहालय, सफदरजंग रोड, लक्ष्मीबाईं नगर, सरोजिनी नगर, आर.के. पुरम, मुनिरका गांव, वसंत विहार से होकर गुजरती है, और अंततः गोदावरी छात्रावास और पूर्वांचल छात्रावास तक पहुंचती है। लगभग 20 मिनट के बाद वही बस अपना मार्ग फिर से शुरू करती है। इसकी लगभग 50 मिनट की यात्रा के दौरान इसमें जेएनयू के छात्र सवार होते हैं। उनके बीच बस में ही बस के भीतर ही चर्चाएं और बहसें चलती रहती हैं। रमन हितकारी की पहली पुस्तक उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों, जिनमें कानपुर, लखनऊ और प्रयागराज (हालांकि वह पुराने नाम, इलाहाबाद को पसंद करते हैं) में बिताए गए उनके शुरुआती वर्षों की यादों से भरी हुईं है। उनके विवरणों को पढ़कर, मुझे अपनी हालिया प्रयागराज यात्रा फिर ये याद आने लगी। वे प्रयागराज के सिविल लाइन्स, इंडियन कॉफी हाउस, एल चिको रेस्तरां वगैरह का जिव्रा करते हैं। मैंने इन सब जगहों को हाल ही में देखा। मेरा इलाहाबाद से मेरा पहला परिचय धर्मवीर भारती के उत्वृष्ट उपन्यास, गुनाहों का देवता के माध्यम से हुआ। यह उपन्यास इलाहाबाद शहर को बेहतरीन तरीके से चित्रित करता है। मेरी हिदुस्तान टाइम्स की पूर्व सहयोगी पूनम सक्सेना ने भारती जी के उपन्यास का अंग्रेजी अनुवाद किया। मुझे वह भी पसंद आया था। मैंने चंदर और सुधा के माध्यम से इलाहाबाद के समाज को गहराईं से देखा-समझा था। को एक बार पढ़ना शुरू किया, तो मैं इसे दो दिनों में पढ़ गया।

कुछ अलग

बड़ी चुनौती है जलवायु परिवर्तन से निपटना

आजादी के बाद के 70 सालों में जलवायु परिवर्तन से भारत में ही आपदाओं में आठ गुणा से भी ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसका खुलासा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्यरत संगठन 'आई फारेस्ट' की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक आजादी के बाद के शुरुआती सालों में जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदा यानी बाढ़, चक्रवात, हीटवेव आदि की तादाद कुल मिलाकर 27 ही थी, लेकिन उसके बाद के बरसों में इनकी तादाद बढ़कर आठ गुणा का आंकड़ा पार कर गयी। इसमें 1998 में गुजरात में व 1999 में ओडिशा में आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही, 2013 में उत्तराखंड में आई जल प्रलय और 2014 में आये हुदहुद और अम्फान नामक आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही व 2019 में जून से सितम्बर के बीच मानसून मौसम में 110 फीसदी से अधिक हुई बारिश से देश के 14 राज्य बाढ़ के भीषण प्रकोप से प्रभावित रहे। फानी तूफान के कहर तथा 1998, 2002, 2003 और 2015 में हुई भीषण तापमान वृद्धि और भीषण लू की घटनाओं को लोग भूले नहीं हैं। यदि हम वर्ष 1991 से 2000 तक जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदाओं का जायजा लें तो इस दौरान 96 आपदाओं का देश को सामना करना पड़ा। जबकि उसके बाद वर्ष 2020 तक देश की जनता को 210 आपदाओं का कहर झेलना पड़ा। वर्ष 2024 तो देश के लिए अभूतपूर्व गर्मी की मार वाला रहा, अप्रैल से जुलाई तक सबसे खराब और सबसे लम्बे समय तक चलने वाली गर्मी की लहरों यानी भयंकर लू की मार सहने को देश विवश हुआ। इस दौरान देश के 741 जिलों में से लगभग 500 जिलों का दैनिक तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पर्यावरण और मानवाधिकार संगठन 'जर्मन वॉच' के क्लाइमेट इंडेक्स से खुलासा हुआ है कि जलवायु से जुड़ी आपदाओं में भारत दुनिया के शीर्ष 10 देशों में जिनमें डोमिनिका, चीन, होंडुरास, म्यांमार, इटली, ग्रीस, स्पेन, वानुआतू और फिलीपींस शामिल हैं, में छठे स्थान पर है और यहां साल-दर-साल आपदाएं विकराल होती जा रही हैं। बीते तीन दशकों में अकेले भारत में जलवायु परिवर्तन से जन्मी मौसमी आपदाओं से देश को कुल 180 अरब डालर का नुकसान हुआ और औसतन 4,66,45,209 लोग प्रभावित हुए। 1993 से 2022 के बीच देश में हुई चरम मौसमी घटनाओं में करीब 80 हजार लोगों की जानें गयीं। जबकि दुनिया में आठ लाख लोग मौत के मुंह में चले गये और 4.2 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इन आपदाओं से सालाना 2000 डॉलर का देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ पड़ रहा है, साथ ही 2675 जिंदगियां हर साल इनकी शिकार होती हैं। इस बारे में जलवायु विशेषज्ञ लारा शेफर कहते हैं कि समूची दुनिया में जलवायु संकट तेजी से खतरनाक होता जा रहा है। पिछले तीन दशक सबूत हैं कि ग्लोबल साउथ के देश विशेष रूप से चरम मौसमी घटनाओं से जूझ रहे हैं। हम जलवायु संकट के अप्रत्याशित और महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहे हैं। यह समाज को अस्थिर करने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना सही है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य अब भी पहुंच से बाहर हैं। यही कारण है कि जलवायु आपदा टालने में दुनिया पिछड़ रही है। समय की मांग है कि समूचा विश्व समुदाय सरकारों पर दबाव बनाये ताकि वे समझ सकें कि इस दिशा में हम पिछड़ रहे हैं और तेजी से आगे बढ़ने की ज़रूरत है। यदि वैश्विक प्रयास तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने में कामयाब रहे तो भी दुनिया के 96.1 करोड़ लोगों के लिए यह सबसे बड़ी समस्या होगी।

देश दुनीया से

निरस्त्रीकरण आज विश्व की आवश्यकता है

वास्तव में आज मानवता की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, मानवता के सिद्धांतों को बनाए रखना, देश के सभी नागरिकों की सुरक्षा करना, सतत विकास को बढ़ावा देना, राज्यों के बीच विश्वास और भरोसा बढ़ाना और सशस्त्र संघर्ष को रोकना और समाप्त करना बहुत ही जरूरी और आवश्यक है। निरस्त्रीकरण आज विश्व की आवश्यकता है हर वर्ष 5 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय निरस्त्रीकरण और अप्रसार जागरूकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि यह दिवस विशेष रूप से युवाओं में निरस्त्रीकरण के मुद्दों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। गौरतलब है कि इस दिवस की शुरुआत 'शांति और सुरक्षा' के लिए निरस्त्रीकरण और अप्रसार के महत्व को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2021 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा इसकी स्थापना की गईं थी। यदि हम यहां इसके इतिहास की बात करें तो इस संदर्भ में 7 दिसंबर 2022 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव अपनाया और प्रति वर्ष 5 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय निरस्त्रीकरण और अप्रसार जागरूकता दिवस' के रूप में घोषित किया। गौरतलब है कि 5 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय निरस्त्रीकरण और अप्रसार जागरूकता दिवस का पहला आयोजन किया गया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष 24 से 30 अक्टूबर तक 'संयुत्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण सप्ताह' मनाया जाता है। कहना चाहूंगा कि इस सप्ताह का आयोजन निरस्त्रीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसी तरह से, परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस 26 सितंबर को मनाया जाता है। सच तो यह है कि आज पूरा विश्व बारूद के ढ़ेर पर खड़ा हुआ है। संपूर्ण विश्व में हथियारों की होड़ लगी हुईं है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि आज विश्व में अमेरिका सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश है, जबकि रूस दूसरे स्थान पर है। प्रांस, चीन और जर्मनी, इटली, यूनाइटेड किगडम, स्पेन, दक्षिण कोरिया, इजरायल भी शीर्ष हथियार निर्यातक देशों में शामिल हैं। वास्तव में, वैश्विक हथियार व्यापार एक बहुत बड़ा उद्योग है, जो सदियोंसदि यों से अस्तित्व में है। कहना ग़लत नहीं होगा कि हर साल दुनिया में अरबों डॉलर के हथियारों की खरीद- फरोख्त की जाती है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में दुनिया भर में हथियारों का व्यापार 127 बिलियन डॉलर था। आज स्थिति यह है कि दुनिया के विभिन्न हथियार निर्यातक देश हर साल हथियार बेचकर अरबों-खरबों रुपये कमाते हैं। स्वीडिश थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीटूट के अनुसार, वर्ष 2019- 23 की अवधि के लिए भारत दुनिया का शीर्ष हथियार आयातक था, जिसमें वर्ष 2014-18 की अवधि की तुलना में आयात में 4.7™ की वृद्धि हुईं थी। वहीं, यूक्रेन में युद्ध की पृष्ठभूमि में, रिपोर्ट में यह बात कही गईं है कि वर्ष 2014-18 और वर्ष 2019-23 के बीच यूरोपीय देशों द्वारा हथियारों के आयात में 94™ की वृद्धि हुईं है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2019-23 में 10 सबसे बड़े हथियार आयातकों में से नौ, जिनमें भारत, सऊदी अरब और कतर के शीर्ष 3 शामिल हैं, एशिया और ओशिनिया या मध्य पूर्व में थे। वर्ष 2022-23 में 30 से अधिक देशों से प्रमुख हथियारों का हस्तांतरण प्राप्त करने के बाद यूक्रेन वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे बड़ा हथियार आयातक बन गया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूरोप के राज्यों ने वर्ष 2014-18 और वर्ष 2019-23 के बीच प्रमुख हथियारों के अपने आयात को लगभग दोगुना (ऋ94 प्रतिशत) कर दिया। वर्ष 2019-23 में एशिया, ओशिनिया और मध्य पूर्व में हथियारों की कहीं बड़ी मात्रा प्रवाहित हुईं, जहां 10 सबसे बड़े हथियार आयातकों में से नौ हैं। संयुत्त राज्य अमेरिका ने वर्ष 2014-18 और वर्ष 2019-23 के बीच अपने हथियारों के निर्यात में 17 प्रतिशत की वृद्धि की, जबकि रूस के हथियारों का निर्यात आधा हो गया। रूस पहली बार तीसरा सबसे बड़ा हथियार निर्यातक था, जो प्रांस से ठीक पीछे था। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज अमरीका, रूस और चीन जैसी बड़ी ताक़तों की आपसी होड़ बढ़ने के कारण हथियारों के वैश्विक कारोबार में लगातार बढ़ोतरी हुईं है। हैरानी की बात तो यह है कि आज पूरे विश्व में हथियारों का कारोबार तेज़ी से फल-फूल रहा है। हर साल हथियारों का कईं बिलियन डॉलर का अंतरराष्ट्रीय कारोबार होता है। आंकड़े बताते हैं कि आज भारत दुनिया के हथियार बेचने वाले 25 बड़े देशों में की सूची में शामिल है। भारत 2015 से 2019 की अवधि तक दूसरा सबसे ज्यादा हथियार खरीदने वाला देश रहा। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2023-24 देश में 1.27 लाख करोड़ रुपये के हथियारों का निर्माण हुआ यानी रक्षा उत्पादन किया गया। यह उत्पादन वर्ष 2014-15 की तुलना में 2.7 गुना ज्यादा है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार वेंद्र सरकार 2029 तक रक्षा निर्यात को 50, 000 करोड़ रुपये तक बढ़ाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं कि हथियारों की होड़ के कारण आज दुनिया विनाश के मुहाने पर खड़ी हुईं है। यदि हम यहां रूस-यूक्रेन युद्ध की ही बात करें तो तीन साल की जंग में यूक्रेन 18 प्रतिशत तक सिवुड़ गया है। दोनों देशों (रूस-यूक्रेन) के बीच विध्वंस, तबाही और बर्बादी में हजारों लाखों लोग मारे जा चुके हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार रूस-यूक्रेन युद्ध से अब तक 1-1.5 खरब डॉलर (लगभग 80-125 लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हो चुका है, जो कि बहुत बड़ी क्षति है। युद्ध के कारण कोईं भी देश बहुत पीछे चला जाता है और उससे उबरना बहुत ही मुश्किल होता है। युद्ध के कारण आर्थिक व जानमाल को तो नुकसान पहुंचता ही है पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र भी व्यापक असर पड़ता है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि इजरायल में युद्ध ने 67.57 अरब डॉलर का नुकसान पहुंचाया है, जहां स्वास्थ्य और शिक्षा का बजट जंग में खर्च हुआ। वहीं, गाजा और वेस्ट बैंक में 50 अरब डॉलर का निवेश बर्बाद हुआ, बेरोज़गारी दर 80™ तक पहुंच गईं और 61™ लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि निरस्त्रीकरण का मतलब है-' हथियारों को कम करना, सीमित करना या खत्म करना।' वास्तव में, यह आम तौर पर किसी देश के सैन्य या किसी खास तरह के हथियारों को संदर्भित करता है।

आप का नजरीया

ग्लेशियरों पर संकट के बीच हमारी जिम्मेदारी

हाल ही में उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा ग्राम के पास हुई हिमस्खलन की घटना में बीआरओ के मजदूर दब गए थे, जिनमें से कुछ को बचा लिया गया, लेकिन कई की जानें नहीं बच सकीं। दरअसल, हिमस्खलन की घटनाएं पूरी दुनिया में बढ़ रही हैं, जिससे अचानक बाढ़ें आ रही हैं और सड़कों पर वाहन सवार सैलानियों की मौतें हो रही हैं। फरवरी, 2021 में उत्तराखंड की नीती घाटी में हिमस्खलन के कारण ऋषिगंगा और धौलीगंगा नदियों में बाढ़ आई, जिससे व्यापक तबाही हुई। इस घटना के चलते वैश्विक स्तर पर हिमस्खलनों और ग्लेशियरों के संकट को लेकर चर्चा शुरू हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि ग्लेशियरों के पिघलने की प्रक्रिया में मानवीय गतिविधियों का भी योगदान है, जिससे इन घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। ग्लेशियरों का पिघलना प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन मानवीय हस्तक्षेप जैसे जलविद्युत परियोजनाओं, निर्माण कार्यों और पर्यावरणीय असंतुलन ने इसे और बढ़ा दिया। इसलिये, हमें इन संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ से हिमालयी ग्लेशियरों का पिघलना दुगनी दर से बढ़ गया है। वे हर साल आधे मीटर की मोटाई खो रहे हैं और कुछ क्षेत्रों में पीछे भी खिसक रहे हैं। गढ़वाल हिमालय में पिछले चार दशकों में औसतन 18 मीटर प्रति वर्ष ग्लेशियर पीछे खिसक रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने की दर तापमान, बारिश, नमी, हवाओं की गति और सूर्य की किरणों के परावर्तन पर निर्भर करती है। पिघलते ग्लेशियरों से उत्पन्न जल से गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी सदानीरा नदियों का अस्तित्व है, जो वर्षा के बिना भी बहती रहती हैं। यदि ग्लेशियरों का पिघलना जारी रहता है, तो इससे समुद्र स्तर 230 फुट तक बढ़ सकता है, जो वैश्विक जल संकट का कारण बन सकता है। नदियों में पानी की महत्ता को ध्यान में रखते हुए, गंगा और यमुना के स्रोतों, गंगोत्री और यमुनोत्री के ग्लेशियरों को नैनीताल उच्च न्यायालय ने 20 मार्च, 2017 को एक आदेश में न्यायिक जीवित मानव का दर्जा दिया। हालांकि ग्लेशियर स्वयं मौसमी बदलाव और बढ़ते तापमान से काल-कवलित हो रहे हैं, लेकिन इनकी सतह जब सूर्य की किरणों को परावर्तित करती है, तो वे वातावरण संतुलन में भी मदद करती हैं। छोटे ग्लेशियर्स औसतन 70 से 100 मीटर तक मोटे होते हैं, जबकि बड़े ग्लेशियर्स 1.5 किमी तक मोटे हो सकते हैं। गतिक ग्लेशियर्स अपनी यात्रा के दौरान शिलाओं को तोड़ते हुए उन्हें उनके मूल स्थानों से दूर ले जाते हैं, जिससे हिमस्खलन के दौरान हिमखंडों के साथ बड़ी-बड़ी शिलाओं की भी बौछार होती है। जब ये हिमखंड और शिलाएं नदियों-नालों में गिरती हैं, तो कभी-कभी बहते पानी की राह रोक अस्थायी बांध बना देती हैं। इन बांधों के टूटने से अचानक बाढ़ों और तबाही का खतरा उत्पन्न हो सकता है। हिमस्खलनों के अतिरिक्त, बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियरों में उत्पन्न होती और फैलती ग्लेशियल झीलें सर्वाधिक चिंता का कारण बन रही हैं। जिनके टूटने पर भारी मात्रा में पानी बहकर ये अचानक बाढ़ों का कारण बनती है, जिसे ग्लेशियल आउटबर्स्ट फ्लड कहा जाता है।

प्रदेश में 10 लाख नए युवा उद्यमी तैयार करेगी सरकार : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने ओडीओपी के अंतर्गत गोरखपुर व बस्ती मंडल के 2100 प्रशिक्षणार्थियों को किया टूलकिट वितरण

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा कहते हैं कि युवा देश की ऊर्जा हैं। इन्हें सही राह दिखाकर उचित अवसर प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। पीएम मोदी की प्रेरणा से डबल इंजन की भाजपा सरकार ने प्रदेश के अंदर 10 लाख नए युवा उद्यमी को तैयार करने के अभियान को अपने हाथ में लिया है। सीएम योगी ने बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के तहत गोरखपुर व बस्ती मंडल के 2500 लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपए का ऋण तथा ओडीओपी के अंतर्गत दोनों मंडलों के 2100 प्रशिक्षणार्थियों को टूलकिट वितरण किया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। एमएसएमई विभाग की तरफ से लघु फिल्म का भी प्रदर्शन

किया गया। सीएम ने कहा कि होली के पहले प्रदेश के युवाओं को दिए जा रहे सौगात का लाभ नए युवा उद्यमी बनने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना 24 जनवरी 2025 को प्रारंभ की। अभी लगभग सवा महीने हुए हैं। इससे पूरे वर्ष भर में एक लाख नए उद्यमियों को जोड़ना था, लेकिन अभी तक ही 2 लाख 54 हजार 794 आवेदन आ चुके हैं। यही स्कीम की लोकप्रियता है। इसमें से एक लाख आवेदन बैंकों को भेज दिए गए हैं। 24 हजार लाभार्थियों को 931 करोड़ रुपए का ऋण स्वीकृत हो गया है और 10, 500 लाभार्थियों को 410 करोड़ रुपए वितरण भी किया जा चुका है। गोरखपुर व बस्ती मंडल के 1440 लाभार्थियों को 67.14 करोड़ रुपए का ऋण स्वीकृत करते हुए 575 लाभार्थियों को 25.80 करोड़ का ऋण पहले वितरित किया जा चुका है। आज 2500 लाभार्थियों को 100 करोड़ ऋण वितरण की व्यवस्था की गई है। इससे पूर्व कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवा लाभार्थियों को पांच-पांच लाख का चेक प्रदान किया। चेक प्राप्त करने वालों में गोरखपुर के विष्णु कुमार कश्यप, रत्नाकर मौर्य, खुशबू जायसवाल, रजत कुमार, सोनी मिश्रा, महराजगंज की किरण, नागेश्वर मौर्य, देवरिया के अंकित मिश्र, प्रेम कुमार, कुशीनगर के हरिलाल सैनी, अरमान हुसैन, बस्ती के हर्ष गौतम, अभिषेक कुमार, सिद्धार्थनगर के बृजेश कुमार, संतकबीर नगर के अमृतांश चतुर्वेदी प्रमुख रहे। वहीं मुख्यमंत्री ने गोरखपुर की द्रौपदी देवी, बबिता मिश्रा, श्वेता सिंह, स्पर्शिका चतुर्वेदी, महराजगंज के आशीष कुमार पटेल, अनुराग द्विवेदी, देवरिया की शालू कुशवाहा, प्रेमलता कुशवाहा, कुशीनगर के सुचित शर्मा, अंगद कुशवाहा, बस्ती के ओंकार शर्मा, अनुराग, सिद्धार्थनगर के अर्जुन चौधरी, संतकबीर नगर की साक्षी पाठक को ओडीओपी का टूलकिट प्रदान किया। कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, सांसद रवि किशन, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, राजेश त्रिपाठी, महेंद्र पाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, विमलेश पासवान, सरवन निषाद, अनिल त्रिपाठी, जयमंगल कन्नौजिया, डॉ. असीम कुमार, ज्ञानेंद्र सिंह, उप्र महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल, कालीबाड़ी मंदिर के महंत रवींद्र दास जी महराज, आयुक्त व निदेशक उद्योग के. विजयेंद्र पांडियन आदि मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को मिला वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

जयपुर (हिंस)। पेसिफिक एशिया ट्रेवल राइटर्स एसोसिएशन ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उप मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी को वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर इंडिया के सम्मान से सम्मानित किया है। उन्हें यह सम्मान आईटीबी बर्लिन जर्मनी में सेशेल्स के पूर्व पर्यटन मंत्री डॉ. एलन सेंटएन्ज द्वारा दिया गया। उप मुख्यमंत्री की ओर से पर्यटन विभाग के अधिकारी अपर निदेशक आनंद त्रिपाठी, उप निदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही है। राज्य सरकार, केंद्र सरकार के साथ मिलकर राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर काम कर रही है। राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा देश और दुनिया के विभिन्न पर्यटन मंचों पर राजस्थान के पर्यटन की ब्रांडिंग हो रही है। इसी के तहत पेसिफिक एरिया ट्रेवल राइटर्स संगठन (पटवा) ने राजस्थान को यह सम्मान प्रदान किया है।

वन नेशन वन इलेक्शन जरूरी विधानसभा में मर्यादा जरूर रखें : तोमर

जोधपुर (हिंस)। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने वन नेशन वन इलेक्शन को आवश्यक बताते हुए कहा यह जरूरी भी है और ऐसा होना भी चाहिए। वन नेशन वन इलेक्शन होना चाहिए। पांच साल लगातार चुनाव चलते रहते हैं, इससे खर्चा भी बढ़ता है। बार-बार चुनाव होने से विकास की गति भी रूकती है और इसके लिए सभी को एक सहमत होना चाहिए। यह बात उन्होंने जोधपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए जोधपुर आए नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा में पक्ष और विपक्ष के बीच होने वाली तकरार को लेकर सवाल पर कहा कि विधानसभा विचार विमर्श का लोकतंत्र में एक सशक्त मंच है और सभी पक्षों को भाषा के स्तर को और उत्तरोत्तर ऊंचाई देने के लिए प्रयास करना चाहिए। हम लोग भी पक्ष और विपक्ष से लगातार इस मामले में बात करते रहते हैं और मुझे लगता है कि मध्य प्रदेश में हम उसे दिशा में आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सदस्यों की भाषा के लिए मर्यादा जरूरी है।

राजस्थान में कानून एवं व्यवस्था चिंताजनक : राठौड़

अजमेर(हिंस)। राजस्थान प्रदेश आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ ने आरोप लगाया कि राजस्थान में भाजपा की पर्ची सरकार में कानून एवं शांति व्यवस्था चिंताजनक अवस्था में है। अपराधियों में ना तो कानून का भय है ना ही सरकार की पुलिस व्यवस्था का। डबल इंजन की सरकार में आए दिन महिलाओं और छोटी बच्चियों से बलात्कार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वृद्ध औरतों से लूट व हत्याएं हो रही हैं। घर से बाहर निकलते ही महिलाओं के साथ चैन स्नेचिंग, अपहरण की वारदात आम हो गई है। समाज का कोई वर्ग सुरक्षित नहीं है। व्यापारियों से फिरौती, कारोबारियों से रंगदारी मांगी जा रही है। बजरी माफिया के हौंसले बुलंद है। राजस्थान में पुलिस की तो ऐसी दयनीय स्थिति है कि वह सवा साल की सरकार में दो सौ से अधिक बार खुद पुलिस पिट चुकी है। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ गुरुवार को अजमेर के सर्किट हाउस में संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अजमेर के पुष्कर में वकील पर जानलेवा हमला हुआ है। जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में वे पीड़ित वकील से मिलकर आया हैं उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। उनपर अपराधियों ने शराब पीकर जानलेवा हमला किया। बोतल उनके सिर पर मारी गई। अपराधी अभी तक पुलिस की पकड़ से दूर हैं। बिजयनगर में नाबालिग स्कूल की छात्राओं से दुष्कर्म और ब्लैकमेल कांड का बड़ा शोर है। अपराधी भाजपा की पृष्ठ भूमि से ही आते हैं फिर उन्हीं के लोग बंद व प्रदर्शन कर रहे हैं। नसीराबाद में भटियानी

में वृद्ध महिला की दिन दहाड़े हत्या की घटना हो रही है, भीलवाड़ा में लड़की से गैंग रेप की घटना हुई। और तो और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को स्वयं ही जान से मारने की धमकी मिल रही है। प्रदेश में कानून एवं शांत व्यवस्था की इससे नाजुक स्थिति और क्या हो सकती है? भाजपा में ही रहे डेगाना से विधायक अजय किलक ही कानून व्यवस्था को लेकर आरोप लगा रहे हैं कि पुलिस अधीक्षक से लेकर थानेदार तक उनकी सुनवाई नहीं करता है। गृह राज्य मंत्री विधान सभा में किरोड़ीलाल मीणा की स्थिति पर बोल रहे हैं। पता नहीं सरकार में किरोड़ी लाल मीणा मंत्री है भी कि नहीं। पूरी सरकार आंतरिक क्लेश में उलझी है। धर्मेन्द्र राठौड़ ने कहा कि जयपुर में 22 सितंबर 2023 को संविधान क्लब बना उसका दोबारा उद्घाटन करने के लिए लोक सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कार्यक्रम जारी कर रखा है। जब संविधान क्लब का उद्घाटन हो चुका फिर भी दोबारा कर रहे हैं। संस्थानों के नाम बदल रहे हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बयान पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री का पलटवार

बोले, वहम का इलाज हकीम लुकमान के पास भी नहीं

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के दक्षिण भारत में परिसीमन के बाद सीटें कम होने वाले बयान पर पलटवार किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वहम का इलाज हकीम लुकमान के पास भी नहीं है। उनका उनका सारा विषय वहम पर आधारित है। केंद्रीय मंत्री शेखावत गुरुवार को यहां जोधपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री शेखावत यहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे की शादी में शामिल होने पहुंचे थे। शेखावत कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बयान पर कहा कि कुछ लोग वहम के कारण ऐसा करते हैं। कुछ लोग इस तरह के बयान से पॉलिटिकल लाभ पाने की कोशिश करते हैं। अब देखने का विषय है कि स्टालिन कौन से ब्रैकेट में खड़े हैं। दरअसल, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व में बुधवार को जनगणना आधारित परिसीमन और ट्रायल लैंग्वेज वार पर सर्वदलीय बैठक हुई थी। इस बैठक में स्टालिन ने संसद में सीटें बढ़ाने के लिए वर्ष 1971 की जनगणना को आधार बनाने की वकालत की थी।

सपा नेता अब्बू आजमी ने महाराष्ट्र विधानसभा में गलत इतिहास दिखाने का आरोप लगाते कहा था कि औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए हैं, वे उसे क्रूर शासक नहीं मानते। अबू आजमी के इस बयान पर शेखावत ने कहा कि उनके बयान का उचित जवाब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में दे दिया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे की शादी को लेकर उन्होंने कहा कि इस तरह की शादियों से शहर और अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा लाभ होता है। निश्चित रूप से इस तरह की बड़ी शादियों से राजस्थान की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बीकानेर जिले के प्रसिद्ध करणी माता मंदिर में प्रसाद योजना के तहत 22.57 करोड़ रुपए की लागत से करवाए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन क्षेत्रों के विकास और भारत में धार्मिक पर्यटन के महत्व को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रसाद योजना को लागू किया है। करणी माता मंदिर उनके ही नहीं देशवासियों के लिए आस्था का विषय है। वहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव में सुधार किया जाए, उनके लिए आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जा सके। इसके लिए राजस्थान सरकार ने प्रोजेक्ट प्रस्तावित किया था। इसको लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने इसको लेकर मंत्रालय से आग्रह किया था। उनके आग्रह पर स्वीकृति प्रदान की गई। जिससे करणी माता मंदिर में विकास कार्य करवाए जाएंगे। राजस्थान सरकार और भी मंदिरों को लेकर प्रस्ताव भेजेगी तो आने वाले वर्षों में और प्रोजेक्ट भी स्वीकृत किए जाएंगे।

सीआरपीएफ में 15 प्रतिशत महिलाओं के प्रतिनिधित्व का लक्ष्य : नायब सिंह सैनी

गुरुग्राम (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने महिलाओं को पुलिस बल में सेवा देने के लिए प्रोत्साहित किया है। वर्तमान में राज्य पुलिस में महिलाओं की संख्या 10 प्रतिशत है। राज्य सरकार का लक्ष्य निकट भविष्य में इस आंकड़े को बढ़ाकर 15 प्रतिशत करना है। मुख्यमंत्री गुरुवार को गुरुग्राम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के नव-नियुक्त राजपत्रित अधिकारियों के 55वें बैच के पासिंग आउट परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की आधी आबादी की शक्ति को पहचानते हुए सशस्त्र बलों में महिलाओं को शामिल करने के ऐतिहासिक निर्णय को भी याद किया। उन्होंने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया, जिसके कारण सशस्त्र बलों में बड़ी संख्या में महिलाओं की भर्ती हुई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के नव-नियुक्त राजपत्रित अधिकारियों से निष्पक्षता और निडरता से अपने कर्तव्यों का पालन करने की शपथ लेने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे कानून और संविधान की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहने, संवेदनशीलता के साथ लोगों के अधिकारों की रक्षा करने और परिस्थितियों की परवाह किए बिना सच्चाई, ईमानदारी और समर्पण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहने का भी आग्रह किया। सीआरपीएफ अकादमी से दो महिला अधिकारियों सहित कुल 39 प्रशिक्षु अधिकारी कठोर प्रशिक्षण पूरा करने के बाद पास हुए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राष्ट्र की सेवा को अपना सर्वोच्च कर्तव्य मानने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये 39 प्रशिक्षु अधिकारी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। सीआरपीएफ की गौरवशाली विरासत के अनुरूप राष्ट्र की अखंडता, एकता और संप्रभुता में योगदान देंगे। देश की आंतरिक सुरक्षा में अमूल्य योगदान के लिए सीआरपीएफ की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने बल को देश की सुरक्षा की रीढ़ बताया।

हमें लोक कल्याण की भावना को लेकर कार्य करना चाहिए : मोहन भागवत

पटना/सुपौल (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को बिहार के सुपौल जिले के वीरपुर में सरस्वती विद्या मंदिर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमें लोक कल्याण की भावना को लेकर कार्य करना चाहिए। कार्य की सफलता के लिए पुरुषार्थ करना होगा। डॉ. भागवत ने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए विविध प्रयास करने पड़ते हैं। भाग्य को अनुकूल बनाने के लिए हमें योग्य कर्ता बनाना होगा। विद्या भारती समाज की सहायता से देशभर में 21 हजार विद्यालय संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं सबका पेट भर सकूं। इस भावना से विद्या भारती के विद्यालयों में छात्र तैयार किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में शिक्षा को पैसे से गिनने की परंपरा नहीं है। मनुष्य सृष्टि का सबसे बुद्धिमान प्राणी है इसलिए शिक्षा पाने का अधिकार सबको है। शिक्षा मनुष्य को मनुष्य बनाता है। मनुष्य ने काफी प्रगति कर लिया है, मनुष्य सुखी रहे पर्यावरण की हानि ना हो ऐसा कार्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी खेती की आवश्यकता है जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहे। इस अवसर पर संघ उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र कार्यवाह डॉ. मोहन सिंह, लोकशिक्षा समिति बिहार के प्रदेश मंत्री डॉ सुबोध कुमार, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव डॉ. ललन प्रसाद सिंह, भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, संघ के क्षेत्र प्रचारक रामनवमी जी क्षेत्र सह कार्यवाह दिनेश प्रसाद, क्षेत्र शारीरिक शिक्षण प्रमुख मनोज कुमार, उत्तर बिहार के प्रांत प्रचारक रवि शंकर, प्रांत कार्यवाह अभय गर्ग समेत कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

यूपी की महिलाएं यूएन हाउस में बताएंगी जल जीवन मिशन से बदलाव की गाथा

दुनिया जानेगी की कैसे जल जीवन मिशन ने बदला बुंदेलखंड के लोगों का जीवन

लखनऊ(हिंस)। देश के अलग-अलग राज्यों के बाद अब दुनिया के दूसरे देश भी उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड में जल जीवन मिशन के जरिए आए बदलाव को जानेंगे। जल जीवन मिशन के जरिए लोगों के जीवन को बदल रहीं पांच महिलाएं शुक्रवार को नई दिल्ली के यूएन हाउस में देश दुनिया के जल विशेषज्ञों के सामने प्रस्तुतीकरण देंगी। ये महिलाएं बताएंगी की कैसे जल जीवन मिशन के जरिए पहुंचे हर घर नल से शुद्ध जल ने बुंदेलखंड और पूरे उत्तर प्रदेश के ग्रामीणों के जीवन को बेहतर बनाया है। साथ ही रोजगार के अवसर भी मुहैया कराया है। नई दिल्ली के संयुक्त राष्ट्र संघ के ऑफिस में उत्तर प्रदेश की जिन पांच महिलाओं को आमंत्रित किया गया है, उनमें झांसी के बामेर गांव की भारती, इमिलिया गांव की रीना अहिरवार, रामप्यारी, बेबी और शीला शामिल हैं। इन सभी महिलाओं की कहानी महिला सशक्तिकरण की भी मिशाल है। कैसे इन्होंने अपने और अपने गांव के लोगों के जीवन को जल जीवन मिशन के जरिए बदला। ये सभी महिलाएं जल जीवन मिशन के आने के बाद से फील्ड टेस्ट किट के जरिए पानी की जांच करती हैं। इसके लिए इन्हें प्रति जांच 20 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। यूएन हाउस में ये महिलाएं बताएंगी कि कैसे जल की जांच एफटीके के माध्यम से की जाती है। इसका लाइव डिमॉन्सट्रेशन भी देंगी। उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन के जरिए ग्रामीण इलाकों में शुद्ध पेयजल पहुंचाकर बड़े पैमाने पर बीमारियों पर लगाम लगाने में सफलता मिली है। प्रदेश में हर घर नल से पहुंचने वाले जल की जांच के लिए हर गांव में पांच महिलाओं को फील्ड टूल किट (एफटीके) जांच की ट्रेनिंग दी जाती है। जिससे महिलाएं अपने गांव में ही रहकर जल की गुणवत्ता की जांच कर सकें। पूरे प्रदेश में अब तक 4.80 लाख महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। पानी की जांच के लिए महिलाओं को किट मुहैया कराई जाती है।

राजस्थान बोर्ड 10वीं-12वीं की परीक्षाएं शुरू : जोधपुर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही

जोधपुर (हिंस)। शहर में आज से राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच शुरू हो गई। पहले दिन दसवीं कक्षा की अंग्रेजी और बारहवीं कक्षा की मनोविज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षाएं एक ही शिफ्ट में सुबह 8.30 से 11.45 बजे तक आयोजित हो रही है। परीक्षार्थियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। जोधपुर जिले के जिला शिक्षा अधिकारी ओम सिंह राजपुरोहित ने बताया कि परीक्षा के लिए जोधपुर जिले में 255 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। वहीं 49 केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इस बार जिले में नकल पर लगाम लगाने के लिए कुल दस फ्लाइंग विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर रही है। दसवीं-बारहवीं दोनों बोर्ड परीक्षा में शहर व ग्रामीण के कुल 88, 920 परीक्षार्थी भाग ले रहे है। दसवीं की परीक्षा में कुल 40 हजार 708 परीक्षार्थी और बारहवीं की परीक्षा में 48 हजार 212 परीक्षार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

बब्बर खालसा के संदिग्ध आतंकी के तार जुड़े गाजियाबाद से, बनवाया था फर्जी आधारा कार्ड

गाजियाबाद(हिंस)। वेस्ट यूपी का औद्योगिक नगर एवं देश की राजधानी दिल्ली से सटा गाजियाबाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार किए गए बब्बर खालसा के संदिग्ध आंतकी लाजर मसीह के तार गाजियाबाद से जुड़ रहे हैं। दरअसल संदिग्ध आतंकी ने गाजियाबाद से फर्जी आधार कार्ड बनवाया था। इस खुलासे के बाद पुलिस-प्रशासन में खलबली का आलम हैं, वहीं खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां उन लोगों को खंगालने में जुट गई हैं, जिनकी मदद से फर्जी आधार कार्ड बनवाया गया था। हालांकि गाजियाबाद में यह पहला मामला नहीं हैं। इससे पहले भी पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारे व ब्रिटिश नागरिकों के अपहरणकर्ताओं ने यहां पर पनाह ली थी। उत्तर प्रदेश के जिला कौशाम्बी से गुरुवार को तड़के बब्बर खालसा इंटरनेशल (बीकेआई) के संदिग्ध आतंकवादी लाजर मसीह को गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी प्रशांत कुमार के मुताबिक संदिग्ध आतंकी के बाद से जो आधार कार्ड बरामद किया गया है, वह गाजियाबाद से बनवाया गया था। इस खुलासे के बाद जहां पुलिस व खुफिया एजेंसियां एक्टिव हो गयी हैं। वहीं देश की राजधानी से सटे गाजियाबाद में संदिग्ध आतंकी रहा, लेकिन किसी को कानोंकान खबर नहीं लगी, इसे लेकर भी सभी हतप्रभ हैं। हालांकि यह कोई पहला मामला नहीं हैं। गाजियाबाद पूर्व में भी आतंकीं पनाह लेते रहे हैं। पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की अगस्त 1995 को चंडीगढ़ में हत्या हुई थी। वहां से भागकर हत्यारे महानगर के नन्द ग्राम में छिप कर रहे थे। इसी तरह वर्ष 1994 में जैश ए मोहम्मद के आतंकी मसूरी में रहे थे। उन्होंने ब्रिटिश मूल के तीन नागरिकों का अपहरण किया और सहारनपुर में ले जाकर रखा था। विदेशी नागरिकों को छुड़ाने के दौरान हुई आतंकियों से मुठभेड़ में साहिबाबाद थाने के तत्कालीन इंसपेक्टर ध्रुवलाल यादव बलिदान हो गए थे। इस दौरान पुलिस ने पाक आतंकवादी अजहर मसूद व शेखर उमर सईद को गिरफ्तार किया था। इन आतंकवादियों को ही रिहा कराने के लिए उनके साथियों ने साल 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान आइसी -814 का काठमांडू से अपहरण किया था। यह सिलिसला यहीं नहीं थम रहा है। वर्ष 1987 में कुख्यात आतंकी कश्मीरा सिंह ने साहिबाबाद अप्सरा बार्डर व शाहदरा में श्रृंखलाबद्ध विस्फोट किए थे। साहिबाबाद में ही वह साइकिल बम ले जाते हुए विस्फोट में घायल हो गया था। घायल कश्मीरा सिंह ने पुलिस को बताया था कि यह विस्फोट उसने लंदन स्थित खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट के इशारे पर किया था। इसके बाद दुहाई और मुरादनगर के बीच 27 अप्रैल 1996 में हुए बस में हुए विस्फोट में 15 लोगों की मौत हुई थी। चालीस लोग जख्मी हुए थे। यह बस रुड़की डिपो की थी और दिल्ली से रुड़की जा रही थी। आतंकियों ने फ्रंटियर मेल की कई बोगियों में हुए सीरियल बम विस्फोट में 19 लोगों की जान गई थी। इसमें कभी गाजियाबाद का हिस्सा रहे पिलखुआ निवासी अब्दुल करीम उर्फ टुंडा का नाम प्रकाश में आया था। हालांकि लंबी सुनवाई के बाद में अब्दुल करीम को अदालत ने बरी कर दिया गया था। इसी तरह लाल किला बम विस्फोट कांड के आतंकियों के तार भी गाजियाबाद से जुड़े थे। पकड़े गए एक पाकिस्तानी आंतकवादी के पास से मिला ड्राइविग लाइसेंस गाजियाबाद में कैला भट्टा के पते पर बनाया गया था। इन वारदातों के अलावा और भी कई ऐसी घटनाएं हुई हैं। जिनमें आतंकवादियों के तार गाजियाबाद से जुड़े रहे हैं। बिजनौर में 2016 में हुई एनआइए के डिप्टी एसपी तंजील अहमद व उनकी पत्नी की हत्या के मामले में मुख्य अभियुक्त रहे आतंकी मुनीर गाजियाबाद आकर रुका था।

तेजस्वी के खिलाफ राघोपुर से चुनाव लड़ सकते है प्रशांत किशोर

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर उदघोष यात्रा के दौरान गुरुवार को मोतिहारी पहुंचे, जहां उन्होंने पत्रकारो को संबोधित करते हुए अपने चुनाव लड़ने के बारे में खुलासा किया और कहा कि अगर पार्टी तय करती है तो वह चुनाव जरूर लड़ेंगे, पार्टी का फैसला ही अंतिम फैसला होगा। वही पूछे जाने पर पीके ने बताया कि अभी जनसुराज में उम्मीदवारी के लिए लोग आवेदन कर रहे है। किसी कार्यकर्ता ने राघोपुर से चुनाव लड़ने के लिए उनके नाम से आवेदन किया है। राघोपुर से वर्तमान विधायक तेजस्वी यादव है और राघोपुर लालू परिवार का गढ़ माना जाता है। शराबबंदी पर प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में शराबबंदी के नाम पर सिर्फ दुकान बंद है शराब नहीं, होम डिलीवरी की जा रही है। अगर बिहार में शराबबंदी सफल है और इससे ही विकास होता है तो पीएम मोदी को पूरे देश में शराबबंदी

लागू कर देना चाहिए और नही तो कम से कम उत्तर प्रदेश में ही शराबबंदी लागू कर के देखना चाहिए। शराबबंदी नामक मिठाई सिर्फ बिहारवासियों को ही क्यों दिया जा रहा है? शराबबंदी से बिहार को लाखों करोड़ का नुकसान हो रहा शराबबंदी के कारण और यह पैसा सिर्फ अफसर नेताओं और माफियाओं के हाथ में जा रहा है। उन्होने कहा कि एनडीए में सीएम फेस क्लियर नही है। एनडीए में दम है, तो स्पष्ट करे कि एनडीए के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार होगे। उन्होने कहा कि बिहार में सरकार नीतीश कुमार नही चला रहे। वे महज एक चेहरा है और यह चेहरा भी नवंबर 2025 के बाद बदल जाएगा।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना 550 रुपये से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये से लेकर 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये से लेकर 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 88,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 88,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली। भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जनवरी, 2025 में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात मामूली रूप से बढ़ा है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) के जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात एक साल पहले के 14.38 अरब डॉलर से 15.60 अरब डॉलर पहुंच गया। जीते देश यूएई को भी निर्यात में वृद्धि देखने को मिली। भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जर्मनी, मेक्सिको, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, जापान, नेपाल और बांग्लादेश में बढ़ा है, जबकि यूके, सऊदी अरब, मलयेशिया, चीन, इटली और स्पेन में गिरावट देखने को मिली। ईईपीसी ने बताया कि भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में वृद्धि के बावजूद जनवरी में वृद्धि में कमी आई है। उन्होंने भी कहा कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात लगातार नौवें महीने सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रहा है ।

सेवा क्षेत्र 26 महीने के निचले स्तर से उबरा

नई दिल्ली। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ऑर्डर मिलने से देश का सेवा क्षेत्र फरवरी, 2025 में 26 महीने के निचले स्तर से उबर गया। उत्पादन में तेज विस्तार और रोजगार में पर्याप्त वृद्धि से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़कर 59 पहुंच गईं। एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई व्यापार गतिविधि सूचकांक जनवरी में 26 महीने के निचले स्तर 56.5 तक आ गया था। एचएसबीसी की एक मुख्य भारत अर्थशास्त्री ने कहा, छह महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी वैश्विक मांग ने भारत के सेवा क्षेत्र के लिए उत्पादन की रफ्तार को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई। सेवा क्षेत्र की कंपनियों को अफ्रीका, एशिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य एशिया से अधिक ऑर्डर मिले। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बढ़ते नए कारोबार को संभालने और क्षमता दबाव को कम करने के लिए भर्ती अभियान जारी रखा। रोजगार में दिसंबर, 2005 के बाद से यानी 20 साल में सबसे तेज वृद्धि देखने को मिली।

गुजरात में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 15,000 करोड़ निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर

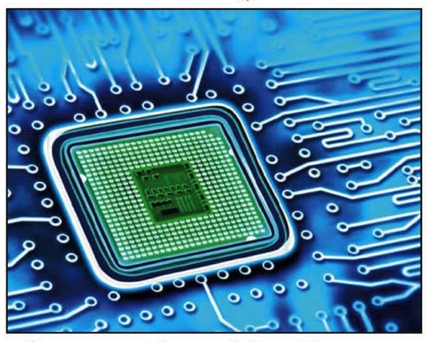

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी में आयोजित सेमीकंडक्टर सम्मेलन के पहले दिन विदेशी कंपनियों के प्रस्तावों समेत करीब 15,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना वाले समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि नेक्स्टजेन समेत कई कंपनियों ने भावी निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। समझौतों में एक संयंत्र की स्थापना के लिए विदेशी कंपनियों ने अच्छे निर्णय लिए हैं। गुजरात सरकार की प्रमुख ने सम्मेलन की महत्वपूर्णता को जताया। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नए निवेश से कई रोजगार के अवसर उस्मानी हैं। इस पहलु का उज्जवल भविष्य का निर्माण होगा। गुजरात को एक नई ऊर्जा से समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प मजबूती से दिखाई दे रहा है। एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में कौशल वृद्धि के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गांधीनगर के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। अहमदाबाद जिले के धोलेरा शहर में भारतीय कंपनी की आगामी सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण इकाई के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवानी फर्मों पीएसएमसी एवं हाइमैक्स टेक्नोलॉजीज के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बयान के मुताबिक गुजरात में 500 करोड़ रुपये के निवेश से एक नई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) इकाई लगाने के लिए ताइवान सरफेस माउंटिंग टेक्नोलॉजी (टीएसएमटी) के साथ एक और समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस निवेश से करीब 1,000 नए रोजगार सृजित होंगे।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

टैरिफ वॉर में नरमी आने की उम्मीद के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स 500 अंक की मजबूती हासिल करने में सफल रहा। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.12 प्रतिशत उछल कर 5,842.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 268.48 अंक यानी 1.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,553.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 43,024.66 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। हालांकि अंत में मुनाफा वसूली की वजह से यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,755.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 125.83 अंक यानी 1.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,173.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 754.22 अंक यानी 3.27 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगा कर 23,081.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,354 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 114.63 अंक यानी 0.50 प्रतिशत लुढ़क कर 22,757.27 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,204.91 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 336.71 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ 37,754.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.79 प्रतिशत उछल कर 3,929.13 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 622.72 अंक यानी 2.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,216.93 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 109.04 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,640.44 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,377.22 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,575.48 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

देश में 2014 से 2024 तक 17.1 करोड़ रोजगार अवसर पैदा हुए: मांडविया

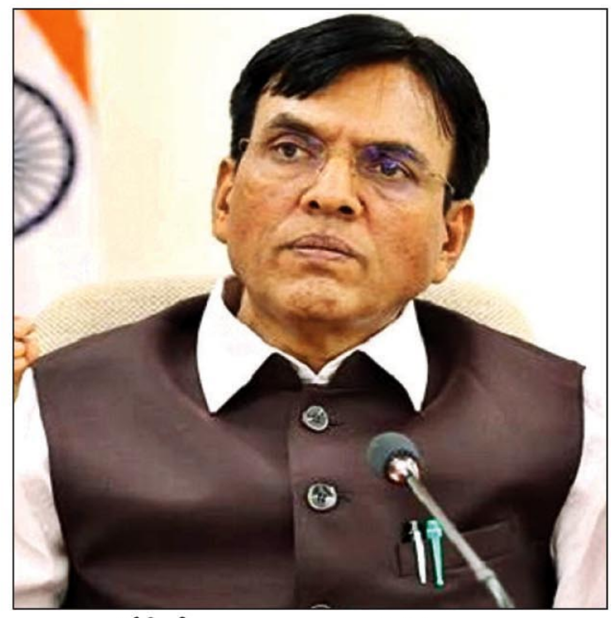

नई दिल्ली

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि 2014 से 2024 के दशक में देश के भीतर 17.1 करोड़ नौकरियां सृजित हुईं जिनमें से 4.6 करोड़ रोजगार अकेले पिछले साल ही सृजित हुए। मांडविया ने बजट पर आयोजित एक वेबिनार में कहा कि बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

यह 2017-18 के छह प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत पर आ गई। इसी अवधि में महिला रोजगार 22 प्रतिशत से खासा बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गया।

श्रम मंत्री ने इन उपलब्धियों का श्रेय सरकार की प्रगतिशील नीतियों को देते हुए कहा कि इससे देश का कार्यबल मजबूत हुआ है। मांडविया ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2024-26 का हवाला देते हुए सरकार की सामाजिक सुरक्षा पहल के प्रभाव का जिक्र किया। इसमें कहा गया है कि भारत का सामाजिक सुरक्षा 'कवरेज' 24.4 प्रतिशत से दोगुना होकर 48.8 प्रतिशत हो गया है।

उन्होंने कहा कि ई-श्रम पोर्टल का विस्तार, 30.67 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को कवर करना और पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) के तहत अस्थायी (गिग) श्रमिकों को शामिल करना, कार्यबल कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को बताता है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-श्रम पोर्टल के तहत 12 प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को भी एकीकृत किया है और यह पोर्टल 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

एक ड्रोन को ड्यूटसे टेलीकोम स्टेंड में प्रदर्शित

स्पेन में 2025 मोबाइल विश्व कांग्रेस में एक ड्रोन को डयूटसे टेलीकोम स्टेंड में प्रदर्शित किया गया। इस मोबाइल विश्व कांग्रेस में कारोबारी जगत के दिग्गजों के अलाव नीति निर्धारक और नई तकनीक तलाशने वाले एक साथ नजर आते हैं।

कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी, 6 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा क्रूड

नई दिल्ली

कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा गिरकर छह महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर कर 69.47 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 67 डॉलर के स्तर से नीचे फिसल कर 66.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दरअसल, ओपेक और इसके सहयोगी देश द्वारा क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) के उत्पादन में बढ़ोतरी करने का संकेत दिए जाने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत पर लगातार दबाव बना हुआ है। आपको बता दें कि कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले कुछ देशों के विरोध के बावजूद ओपेक और इसके सहयोगी देशों के बीच क्रूड ऑयल का उत्पादन बढ़ाने की बात को लेकर आमतौर पर सहमति बन गई है। इन देशों द्वारा अप्रैल के महीने से क्रूड ऑयल के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार रूस और सऊदी अरब क्रूड ऑयल के उत्पादन में प्रतिदिन 1.38 लाख बैरल की बढ़ोतरी कर सकते हैं। इसके अलावा वेनेजुएला ने भी कच्चे तेल के उत्पादन में प्रतिदिन 68 हजार बैरल की बढ़ोतरी करने की बात कही है। इसी तरह ओपेक के दूसरे सदस्य देशों द्वारा भी कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी किए जाने का अनुमान है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओपेक और इसके सहयोगी देशों द्वारा उत्पादन में बढ़ोतरी करने पर कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के दाम में और भी गिरावट आ सकती है। माना जा रहा है कि वेनेजुएला, सऊदी अरब और रूस समेत दूसरे सभी तेल उत्पादक देशों द्वारा कुल मिला कर अगर प्रतिदिन 2.25 लाख बैरल क्रूड ऑयल का भी अतिरिक्त उत्पादन किया जाता है।

महाराष्ट्र में गन्ना पेराई सत्र में चीनी उत्पादन में 20 फीसदी की गिरावट

चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का हो चुका उत्पादन

मुंबई

महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट के कारण गन्ना पेराई सत्र अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है जो पिछले सीजन से करीब 20 फीसदी कम है। गन्ने की कमजोर फसल, चीनी रिकवरी दर में गिरावट और एथेनॉल की तरफ झुकाव से राज्य के चीनी उत्पादन में भारी गिरावट होते दिख रही है। महाराष्ट्र चीनी आयुक्तालय के अनुसार, तीन मार्च तक महाराष्ट्र में चालू 2024-25 सीजन के लिए चीनी उत्पादन 761.19 लाख क्विंटल (लगभग 76.11 लाख टन) हुआ है। इसके बावजूद गन्ने की कमी के कारण राज्य की 92 मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है जो पिछले सीजन की तुलना में दोगुना है। वर्तमान में 108 मिलें गन्ना पेराई कार्यों में लगी हुई हैं, जबकि राज्य में 92 चीनी मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है। राज्य की कुल चीनी रिकवरी दर 9.37 फीसदी है, जो पिछले सीजन की तुलना में कम है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, कम पैदावार और बढ़ी हुई पेराई क्षमता के कारण मिलों ने इस सीजन में परिचालन जल्दी बंद कर दिया है। महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन कम होने का असर देश के कुल उत्पादन पर पड़ने वाला है और 2024-25 सीजन में चीनी उत्पादन में 15 फीसदी की गिरावट की आशंका है।

टेस्ला इंक मुंबई में खोलेगा पहला शोरूम, 35 लाख होगा ऑफिस का मंथली किराया

मुंबई। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक ने भारत में अपना पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में लीज पर लिया है। इस डील के अनुसार, 881 प्रति वर्ग फुट के रिकॉर्ड किराये पर लीज हुआ, जिसे अब तक का सबसे महंगा माना जा रहा है। टेस्ला ने 2.11 करोड़ रुपए का सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करवाया है और हर महीने 35.26 लाख रुपए किराया देना होगा, जिसमें सालाना 5 फीसदी बढ़ोतरी होगी। इस लीज एग्रीमेंट में 5 साल का दीर्घकालिक कार्यकाल भी है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को देखते हुए, टेस्ला भारतीय बाजार में एंट्री करने की योजना बना रहा है। ईस्टर्न हरायाणा स्थित गाँधीधाम मंदिर में नवद्वारका वंदना यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस यात्रा में कन्या दान एवं रिवल्वर के नरमुंदी नामक कार्यालय के भवन एवं समाजशास्त्र परिषद स्थित लुदियाना के प्रदेश सभा के भवन की तीन ओर वातावरण से एकदम तत्काल निर्माण के न्यायाधीश या जुन नापलियाल के स्थानीय प्रतिनिधि होंगे। यह अभियान की प्रारंभिक रात्रि जारी है। अभियान के अंतिम चरण में 108 नवद्वारका वंदना मेला 10 मार्च को वंदना गांधीधाम आएगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबल होना तय

दुबई

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय टीम ने अपने सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया। वहीं न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका का हराया है। रविवार को अब रोमांचक मुकाबले के आसार हैं क्योंकि भारतीय टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में न्यूजीलैंड को हराया था जिससे उसका पलड़ा भारी है। इस मैच में कीवी टीम के बल्लेबाजों के लिए भारतीय स्पिनरों का सामना करना आसान नहीं रहेगा। दूसरे सेमीफाइनल में हार से एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी टीम का आईसीसी खिताब जीतने का सपना टूट गया है। इस साफ है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम दबाव के सामने बिखर जाती है। भारतीय टीम ने पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत दर्ज कर कीवी टीम से 2019 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार का हिसाब बराबर करना रहेगा। भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली अभी लय में हैं।

न्यूजीलैंड दौरे पर आकिब ही रहेंगे मुख्य कोच : पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसबी) ने पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को न्यूजीलैंड दौरे के लिए अंतरिम मुख्य कोच बनाया है। वहीं पूर्व कप्तान मोहम्मद युसूफ को बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। पाक टीम अपने न्यूजीलैंड दौरे में सीमित ओवरों की एक सीरीज खेलेगी। इसी को लेकर पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड दौरे के बीच समय कम होने के कारण आकिब को ही मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं , 'पीसीबी ने इस बीच नये मुख्य कोच को तलाशने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। पिछले साल पीसीबी ने जैसन गिलेस्पी को टेस्ट और गैरी कर्स्टन को सीमित ओवरों के प्रारूप में कोच बनाया था पर दोनों के साथ ही बोर्ड अधिकारियों के मतभेद हो गये थे। ऐसे में इन दोनो ने ही पद छोड़ दिया था। उसके बाद से ही पाक टीम के पास कोई पूर्ण कालिक कोच नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

सेमीफाइनल की जीत से नोबल बढ़ा, अब दुबई में फाइनल के लिए तैयार है : रचिन रविंद्र

लाहौर। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में मैच विजेता पारी खेलकर उत्साहित हैं।

रचिन ने इस मैच में 101 गेंदों पर 108 रन बनाये थे। इससे न्यूजीलैंड टीम एक बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही थी। रचिन ने कहा कि उससे उनका हौंसला बढ़ा है। अब वह आईसीसी टूर्नामेंट में अपने पहले पांच एकदिवसीय शतक लगाने वाले एकमात्र पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में रचिन ने दूसरे विकेट के लिए अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन के साथ 154 गेंदों पर 164 रन बनाये। विलियमसन ने 102 रन बनाए। रचिन ने कहा कि सेमीफाइनल में शानदार जीत में योगदान देना शानदार अहसास है। मैं उतनी अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया, जितनी मैं चाहता था। साथ ही कहा कि अब जब हम दुबई पहुंच जाएंगे, तो फाइनल पर ध्यान देंगे। वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने 43 रन देकर 3 विकेट लिए और दक्षिण अफ्रीका टीम को कोई अवसर नहीं दिया। सैंटनर ने कहा, इस बड़ी जीत से दुबई में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए हमारा मनोबल बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ी साझेदारी नहीं बनाने से टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

शुभमन बने एमआरएफ के ब्रांड एंबेसडर

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के उप-कप्तान शुभमन गिल अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अब दिग्गज कंपनी एमआरएफ लिमिटेड ने शुभमन को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। ऐसे में वह भी एमआरएफ के स्टीकर लगे बल्ले से खेलते नजर आयेंगे। एमआरएफ ने एक बयान जारी कर कहा कि शुभमन गिल अब एमआरएफ ब्रांड से जुड़ने वाले विराट कोहली सहित अन्य प्रमुख क्रिकेटरों में शामिल हो गये हैं। उन्हें हाल ही में आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज के रूप में भी मान्यता मिली है। एमआरएफ ने कहा कि वह लंबे समय से क्रिकेट के विकास से जुड़ा रहा है और ऐसा आगे भी होता रहेगा। शुभमन की यह भागीदारी विराट के साथ कंपनी के पहले से जारी सहयोग के अतिरिक्त होगी। एमआरएफ लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. एम. मैमन ने कहा, ''हम शुभमन गिल को एमआरएफ परिवार में शामिल करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। उनका खेल प्रभावशाली है और वह जिस तरह क्रिकेट के सभी प्रारूपों में नेतृत्व कौशल दिखाते हैं, वह प्रेरणादायक है। उनकी इस लोकप्रियता का लाभ एमआरएफ को भी मिलेगा। वहीं शुभमन ने ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने पर उत्साहित होकर कहा, ''एमआरएफ क्रिकेट में गुणवत्ता, प्रदर्शन और उत्कृष्टता का प्रतीक है। मैं भी उन क्रिकेटरों को देखकर बड़ा हुआ हूं जो एमआरएफ के बल्ले से जादू बिखेरते थे। इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं इस साझेदारी के तहत ऐसी पारियां खेलना खेलने के प्रयास करुंगा जिससे भारतीय टीम शीर्ष पर बना रहे।

चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली हार से तीन कप्तानों पर गाज गिरी

दुबई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट में इस बार टीम की हार के कारण एक नहीं तीन-तीन कप्तानों का करियर खराब हो गया। सबसे पहले इसमें मेजबान टीम पाकिस्तान का आता है। भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार के बाद उसके कप्तान मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर कर दिया गया। पाक टीम का प्रदर्शन टूर्नामेंट में बेहद खराब रहा और वह एक मैच भी नहीं जीत पायी। वहीं दूसरी गाज इंग्लैड के कप्तान जोस बटलर पर गिरी। बटलर को भी टीम के खराब प्रदर्शन के कारण पद गंवाना पड़ा। इंग्लैड टीम का प्रदर्शन भी टूर्नामेंट में खराब रहा। वहीं तीसरे कप्तान ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को तो एकदिवसीय प्रारुप से ही संन्यास लेना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम को भारतीय टीम के खिलाफ सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) रिजवान से इस कदर नाराज हुआ कि टी20 टीम से ही बाहर कर दिया। उनकी जगह न्यूजीलैड दौरे पर टी20 का कप्तान सलमान आगा को बनाया गया है।

'डबल जलेबी' के जादू से राष्ट्रीय टीम तक : अंगद बीर सिंह ने भारतीय टीम में एंट्री पर साझा किए अनुभव

नई दिल्ली

युवा खिलाड़ी अंगद बीर सिंह भारतीय हॉकी के नए सितारे बनकर उभरे हैं। हाल ही में संपन्न हीरो हॉकी इंडिया लीग में वेदांता कलिंगा लांसर्स के लिए खेलते हुए उन्होंने शूटआउट में दुनिया के बेहतरीन गोलकीपरों में से एक माने जाने वाले डेविड हार्टे (तमिलनाडु ड्रैगन्स) के खिलाफ शानदार 'डबल जलेबी' गोल दागा, जिससे वे चर्चा में आ गए। इस जबरदस्त प्रदर्शन के बाद उन्हें एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के भारत चरण के लिए पहली बार भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम में चुना गया और भुवनेश्वर में आयरलैंड के खिलाफ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया।

अंगद इससे पहले जूनियर राष्ट्रीय टीम के साथ कई सफलताएं हासिल कर चुके हैं। 2022 सुल्तान ऑफ जोहोर कप में स्वर्ण, 2023 सुल्तान ऑफ जोहोर कप में कांस्य और 2023 पुरुष जूनियर एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा साबित की थी।

पहला मैच और खास लम्हेहॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में अंगद ने अपनी पहली सीनियर अंतरराष्ट्रीय भिड़ंत को याद करते हुए कहा, मैच से पहले मैं बेहद रोमांचित था। यह मेरे कई वर्षों की मेहनत का नतीजा था। उन्होंने बताया कि जब मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम के सामने उनके डेब्यू की घोषणा की, तो उनका उत्साह और भी बढ़ गया। 22 वर्षीय अंगद ने कहा, उस पल मुझे महसूस हुआ कि कुछ खास होने वाला है।

हालांकि, शुरुआती कुछ मिनटों में उनके मन में घबराहट थी, लेकिन जल्द ही वे सहज हो गए। उन्होंने कहा कि शुरुआत में मैं सतर्क था, गलती करने से बचना चाहता था लेकिन फिर मैंने खुद से कहा कि यह भी एक आम मैच की तरह है, अपना खेल खेलो, आत्मविश्वास रखो। इसके बाद मैं पूरी तरह खेल में डूब गया।

सीनियर खिलाड़ियों का सहयोगअंगद ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह और संजय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, सभी सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा हौसला बढ़ाया। उन्होंने मुझसे कहा कि बिना दबाव के खेलो। खासतौर पर मनप्रीत और हार्दिक पूरे मैच के दौरान मेरा मार्गदर्शन कर रहे थे। संजय और मेरा मैदान पर अच्छा तालमेल है, उन्होंने भी मेरी काफी मदद की। कोच फुल्टन के शांत और सकारात्मक दृष्टिकोण को लेकर भी अंगद ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि मैच से पहले कोच ने मुझसे कहा कि बस अपना खेल खेलो और इस पल का आनंद लो। गलतियों की चिंता मत करो, मैं तुम्हारे साथ हूं।, ये शब्द मुझे हमेशा याद रहेंगे और इससे मुझे खुलकर खेलने की आजादी मिली। सीनियर स्तर की नई चुनौतियांअंगद ने जूनियर और सीनियर स्तर के खेल में अंतर को लेकर कहा, जूनियर स्तर पर खेल बुनियादी होता है, लेकिन सीनियर स्तर पूरी तरह रणनीतिक होता है। खेल की गति तेज होती है और हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ता है। मैं लगातार सीखने और अपने खेल में सुधार करने पर ध्यान दे रहा हूं। उन्होंने अपने भविष्य के लक्ष्यों के बारे में कहा, मानसिक रूप से तैयार रहना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक तैयारी। अगले मैच में मैं मानसिक रूप से पहले से ज्यादा तैयार रहूंगा। मेरा लक्ष्य हर मैच में सीखना, अपनी टीम के साथियों से तालमेल बढ़ाना और अपने प्रदर्शन को निखारना है।

ओलंपिक में स्वर्ण जीतने का सपनाअंगद के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने कहा, टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में हमारी टीम ने कांस्य पदक जीते, लेकिन अब मैं उस टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं जो भारत के लिए स्वर्ण लेकर आए।

परिवार की खुशीअपनी इस सफलता को लेकर अंगद ने अपने परिवार की प्रतिक्रिया को भी याद किया। उन्होंने बताया, भारतीय टीम के लिए खेलना मेरे पिता का सपना था। मेरे डेब्यू मैच के दौरान पूरा परिवार और रिश्तेदार एक साथ मैच देख रहे थे। उनकी खुशी और गर्व ने इस पल को मेरे लिए और भी खास बना दिया। अंगद बीर सिंह का यह सफर न केवल उनके लिए, बल्कि भारतीय हॉकी के लिए भी एक रोमांचक भविष्य की ओर इशारा करता है।

बुमराह के नहीं होने से मुझपर है अधिक जिम्मेदारी : शमी

दुबई

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। शमी ने माना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से इस टूर्नामेंट में उनपर अधिक जिम्मेदारी है। इसी कारण उनका ध्यान अपनी लय कायम रखने ओर फिटनेस बनाये रखना रहा है। चोट से उबरकर वापसी कर रहे शमी ने बुमराह की गैर मौजूदगी में नये तेज गेंदबाजी हर्षित राणा और ऑलरांउडडर हार्दिक पांड्या के साथ नई गेंद संभाली। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में 8 विकेट लिए हैं।

उन्होंने फाइनल में पहुंचने पर कहा, 'मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है ऐसे में अपना सौ फीसदी से से ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा ऑलराउंडर है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट के लिए मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना सौ फीसदी से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं।

गौरतलब है कि शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे। उन्होंने कहा कि अब वह लंबे स्पैल फेंकने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी को अपनी फिटनेस के बारे में बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत है। हमें प्रयास करने होंगे और देखते हैं कि शरीर इसे कैसे लेता है।

शमी ने कहा, 'मैं अब लंबे स्पैल फेंकने के लिए तैयार हूं। छोटे स्पैल हमेशा आसान होते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह मायने नहीं रखता कि दस ओवर फेंकने हैं या छह ओवर। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है।

औली में नेशनल स्की चैम्पियनशिप 16 से 19 तक

विश्व विख्यात हिम क्रीड़ा केन्द्र औली मे नेशनल स्की चैम्पियनशिप का आयोजन 16से 19 मार्च तक होगा, जिसकी हर स्तर पर तैयारियां शुरू की जा चुकी है।

आईसीसी रैंकिंग में वरुण ने लंबी छलांग लगायी, रोहित पिछड़े

दुबई

भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 100 खिलाड़ियों में पहुंच गये हैं। वरुण को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन का लाभ मिला है और उन्होंने लंबी छलांग लगाते हुए 143 गेंदबाजों को पीछे छोड़ा है, वरुण के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी रैंकिंग में ऊपर आये हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाने के कारण बल्लेबाजी रैंकिंग में पिछड़े हैं। वरुण 143 पायदान की छलांग लगाकर अब 97वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

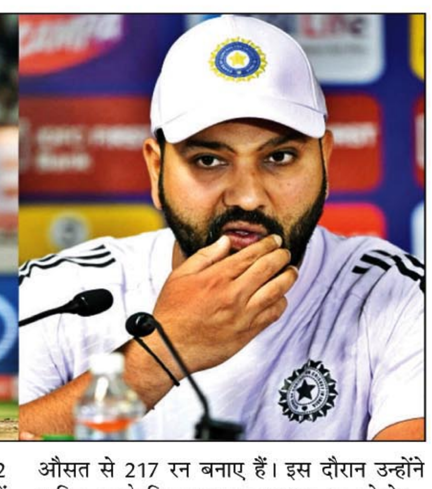

वरुण ने चैम्पियस ट्रॉफी 2025 में अब तक 2 मैच खेले, जिसमें 7 विकेट लिए हैं। इन 7 विकेटों में से 5 विकेट एक ही मैच में लिए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में यह 5 विकेट लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 2 विकेट हासिल किए थे।दूसरी ओर बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि विराट कोहली को एक पायदान का फायदा हुआ है और वो चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। कप्तान रोहित शर्मा 2 पायदान नीचे आकर पांचवें नंबर पर फिसल गए हैं। विराट इस ने चैम्पियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 72.33 के दमदार औसत से 217 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाये थे।

रोहित की फॉर्म अच्छी नहीं रही है। उन्होंने अब तक 4 मैच खेले, जिसमें 26 के बेहद खराब औसत से 104 रन बनाए। शीर्ष -10 बल्लेबाजों में शुभमन, कोहली और रोहित के अलावा श्रेयस अय्यर भी शामिल हैं। श्रेयस एक पायदान ऊपर आकर 8वें नंबर पर आ गए हैं। दूसरी ओर ऑलराउंडरों की बात करें तो शीर्ष दस में केवल भारत के रविन्द्र जडेजा है। जडेजा को नौवां स्थान मिला है। वहीं भारतीय टीम के अक्षर 17 स्थान ऊपर आकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

खेल मंत्री मांडविया करेंगे ओलंपिक तैयारी और खेल प्रशासन पर 'चिंतन शिविर' की अध्यक्षता

हैदराबाद

2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारियों और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 7-8 मार्च को हैदराबाद में एक उच्च स्तरीय चिंतन शिविर की अध्यक्षता करेंगे।

यह दो दिवसीय विचार-विमर्श सत्र कान्हा शांतिवनम में आयोजित किया जाएगा, जहां विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्री, वरिष्ठ खेल प्रशासक, प्रमुख सरकारी अधिकारी और खेल विशेषज्ञ एक मंच पर आकर भारत को वैश्विक खेल शक्ति बनाने की रणनीति तैयार करेंगे। इस दौरान खेल प्रशासन को सशक्त बनाने, जमीनी स्तर पर प्रतिभा की पहचान, खेल अवसंरचना के विकास, समावेशिता बढ़ाने और सहयोगी प्रयासों को गति देने पर विचार-विमर्श होगा।

डॉ. मांडविया, इस चिंतन शिविर में विभिन्न हितधारकों के साथ रणनीतिक चर्चा करेंगे। राज्यों के प्रतिनिधि अपने बेहतरीन मॉडल और नवाचारों को साझा करेंगे, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी खेल नीतियों का निर्माण किया जा सके।

चिंतन शिविर के प्रमुख फोकस क्षेत्र-

- – केंद्र सरकार की विभिन्न खेल योजनाओं का अवलोकन और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समन्वय।
- – खेल विकास एवं अवसंरचना में कॉर्पोरेट भागीदारी।
- – जमीनी स्तर की प्रतिभाओं की खोज और पोषण।
- – खेल प्रशासन में सुशासन को बढ़ावा।
- – खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियानों का विस्तार।
- – खेलों में समावेशिता को प्रोत्साहन।
- – खिलाड़ियों और कोचों के कल्याण पर विचार।

खेल मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में डॉ मांडविया ने कहा, हाल ही में संपन्न उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में भारतीय एथलीटों की सफलता हमारी अपार क्षमता को दर्शाती है। हमारा लक्ष्य ओलंपिक में उत्कृष्टता प्राप्त करना और भारत को खेलों की महाशक्ति बनाना है। यदि हम विचारों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा करें, तो हम एक संगठित और सतत खेल ढांचा सुनिश्चित कर सकते हैं। ओलंपिक की मेजबानी करना एक राष्ट्रीय मिशन है और हमें एकजुट होकर इस दिशा में आगे बढ़ना होगा।

खेल मंत्री ने राज्यों से आग्रह किया है कि वे अपने बेहतरीन खिलाड़ियों की पहचान करें, जिन्हें कोचिंग की भूमिका में लाया जा सके। इससे खेल व्यवस्था की खामियों को दूर किया जा सकेगा और प्रतिभा विकास की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकेगा। यह चिंतन शिविर भारतीय खेल जगत में बदलाव लाने के लिए उत्प्रेरक का कार्य करेगा और वैश्विक स्तर पर दीर्घकालिक सफलता की नींव रखेगा।

शादी में कैटरीना कैफ ने ससुराल गेंदा फूल पर किया धमाकेदार डांस

कौशल परिवार की बहू अभिनेत्री कैटरीना कैफ अब एक सच्ची भारतीय महिला बन गई हैं। कभी वह अपनी सास के साथ पूजा-पाठ करती नजर आती हैं तो कभी परिवार के साथ त्यौहार मनाती नजर आती हैं। हाल ही में वह एक शादी में *ससुराल गेंदा फूल* गाने पर डांस करती नजर आईं। उनमें *परफेक्ट देसी बहू* होने का आभास है। वह इस शादी में अपने परिवार के साथ आई थी। उनका वीडियो अब वायरल हो रहा है। उन्होंने कुछ लड़कियों के साथ मिलकर *ससुराल गेंदा फूल* गाने पर खुशी-खुशी डांस किया, जिससे महफिल में चार चांद लग गए। उनका यह देसी अंदाज और शानदार डांस सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, और फैंस उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। वीडियो में कैटरीना का भारतीय लुक सभी को खूब पसंद आ रहा है, और उनके इस अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है। हल्दी में विक्की कौशल, सनी कौशल, शरवरी वाघ और कबीर सिंह जैसी हस्तियां भी मौजूद थीं। कैटरीना का डांस हिट रहा। इस फंक्शन के प्री-वेडिंग इनसाइड वीडियो भी वायरल हो गए हैं। कैटरीना कौशल परिवार में पूरी तरह घुलमिल गई हैं। कैटरीना कुछ दिन पहले अपनी सास के साथ महाकुंभ देखने गई थीं। वहां उन्होंने गंगा में स्नान किया। इससे पहले उन्होंने शिरडी में साईं बाबा के दर्शन भी किए। कैटरीना कैफ आखिरी बार फिल्म *मेरी क्रिसमस* में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर की थी।

लंदन में कोलकाता की मशहूर *झालमुरी* बेच रहा अंग्रेजी बाबू

खाने की अगर बात करें तो कोलकाता को कैसे भूला जा सकता है। पश्चिम बंगाल में तरह-तरह के व्यंजन पाए जाते हैं, इनमें से एक झालमुड़ी है। ये झालमुड़ी केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि लंदन में भी इसकी चर्चा जारी है। लंदन में एक शख्स ने कोलकाता स्टाइल में झालमुड़ी बेची। बता दें कि शख्स पहले नौकरी करता था, उसके बाद उसने नौकरी छोड़कर झालमुड़ी बेचना शुरू कर दिया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल हो रहे वीडियो में, हम सेलर को झालमुड़ी तैयार करते हुए देख सकते हैं, वह एक स्टील के बर्तन में कुछ फूले हुए चावल डालता है और उसके बाद उसमें मुट्ठी भर ताजी धनिया की पत्तियां डाल देता है और फिर कई मसाले डाल देता है, उसके बाद झालमुड़ी में ताजा कटा हुआ खीरे और प्याज डालता है। सेलर एक लंबे, पतले चाकू से सब कुछ मिलाता है और मिक्चर के ऊपर ताजा नींबू का रस निचोड़ता है। वीडियो जल्द ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोग कमेंट सेक्शन में आने लगे। एक यूजर ने लिखा कि चाकू तक वही है। एक अन्य ने मजाक में कहा कि अंकल ने झालमुरी मार्किंग में 6 महीने का डिप्लोमा पूरा किया।

बालों की ग्रोथ के लिए करें चावल के पानी का इस्तेमाल

आजकल बाल झड़ने की समस्या बहुत आम हो गई है, जिसका कारण अनहेल्दी डाइट, स्ट्रेस, केमिकल प्रॉडक्ट्स और प्रदूषण हो सकता है। लेकिन कुछ नेचुरल उपायों को अपनाकर इस समस्या को कम किया जा सकता है। चावल का पानी एक ऐसा ट्रेडिशनल नुस्खा है, जो बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और हेयर ग्रोथ को बढ़ावा देता है। इसमें अमीनो एसिड, विटामिन बी, सी, ई और एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो बालों को घना, मजबूत और शाइनी बनाने में मदद करते हैं। फिर देर किस बात की, आइए जानते हैं चावल के पानी के कुछ बेहद असरदार नुस्खे, जिससे आप अपने बालों का झड़ना एकदम से कम कर सकते हैं। यह सबसे आसान तरीका है, जिससे बालों को मजबूती और पोषण मिलता है। इसके लिए आधा कप चावल को 2 कप पानी में 30 मिनट तक भिगोएं और छान लें। अब शैम्पू करने के बाद इस पानी से बालों को वॉश करें। 5-10 मिनट बाद नॉर्मल पानी से रिंस करें। यह बालों को टूटने से बचाता है। मसाज करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और बाल मजबूत बनते हैं। ऐसे में चावल के पानी को गुनगुना गर्म करें और फिर इसे स्कैल्प पर लगाकर 5-10 मिनट तक मसाज करें। 20 मिनट बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें। फर्मेंटेड चावल का पानी अधिक पौष्टिक होता है और हेयर फॉल को कम करता है। इसलिए चावल का पानी तैयार करके 24 घंटे तक कमरे के तापमान पर रख दें। इसे स्प्रे बोतल में भरकर स्कैल्प और बालों पर लगाएं। 30 मिनट बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें। इसे एलोवेरा के साथ मिलाने से हमारे बालों को डीप कंडीशनिंग मिलती है। इसलिए 2 चम्मच चावल के पानी में 1 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं और फिर इसे बालों और स्कैल्प पर लगाएं। 30 मिनट बाद किसी माइल्ड शैम्पू से वॉश करें। मेथी में मौजूद प्रोटीन बालों को जड़ों से मजबूत बनाता है। इसलिए 2 चम्मच मेथी के दानों को रातभर भिगोकर पीस लें। अब इसमें 3 चम्मच चावल का पानी मिलाएं। इस पैक को स्कैल्प पर लगाकर 40 मिनट तक छोड़ें, फिर वॉश कर लें। चावल के पानी को नारियल तेल के साथ लगाने से स्कैल्प को गहराई से पोषण मिलता है। इसलिए 2 चम्मच चावल के पानी में 1 चम्मच नारियल तेल मिलाएं। इसे हल्का गर्म करके स्कैल्प पर लगाएं और मसाज करें। 1 घंटे बाद माइल्ड शैम्पू से वॉश करें।

मीम्स की वजह से हूं जिंदा... *हम आपके हैं कौन* को लेकर बोलीं रेणुका शहाणे

रेणुका शहाणे बीते चार दशकों से लोगों का मनोरंजन करने का काम कर रही हैं। मराठी टेलीविजन से उन्होंने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इन दिनों फैंस उनकी अपकमिंग वेब सीरीज दुपहिया का इंतजार कर रहे हैं, जो एक गांव की कहानी को दिखाने वाली है। ग्रामीण कॉमेडी आधारित सीरीज में वह प्रधान की भूमिका में नजर आएंगी। अब एक्ट्रेस ने अपनी एक पॉपुलर फिल्म को लेकर बात की है। इन दिनों एक्ट्रेस दुपहिया का प्रमोशन करने में बिजी चल रही हैं। हाल ही में उन्होंने बातचीत की और वेब सीरीज से लेकर अपने अब तक के फिल्मी सफर से जुड़ी कुछ रोचक जानकारी शेयर की। रेणुका शहाणे का नाम उन एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल है, जिन्हें लोग उनके अलग-अलग काम के लिए जानते हैं। 90 के दशक के दर्शक अभिनेत्री को सुरभि शो के होस्ट के तौर पर जानते हैं। वहीं, नई पीढ़ी के लोग एक्ट्रेस को *हम आपके हैं कौन* की पूजा के रूप में जानते हैं।

एक्ट्रेस से उनकी फिल्म के मीम्स से जुड़ा सवाल किया गया। इसका जवाब देते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि मुझे ये काफी अच्छा भी लगता है, क्योंकि यह तकरीबन पॉप आर्ट जैसा होता है। इसकी खास बात है कि इसके जरिए चीजें एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी के बीच अलग अंदाज में पहुंचती हैं। उन्होंने अपनी बात पूरी करते हुए आगे कहा कि एक एक्टर के तौर पर आपको इन तमाम चीजों का सामना करने के लिए तैयार रहना पड़ता है। आज के समय में आपको सभी प्लेटफॉर्म के हिसाब से अपडेट रहना पड़ता है। वरना आप इतिहास का हिस्सा बन चुके हैं, भले ही आपने कितनी ही बड़ी और ऐतिहासिक फिल्मों में काम किया हो। रेणुका का मानना है कि मीम्स जैसी चीजें एक उम्र के बाद एक्टर्स को चर्चा में बनाए रखने का काम करती हैं। इस बारे में उन्होंने कहा कि यही वो चीजें हैं, जो आपको चर्चाओं में बनाए रखने में मदद करती हैं। वरना हमारा समाज बहुत ज्यादा उम्र के हिसाब से भेदभाव करने वाला है। आमतौर पर ऐसा देखा जाता है कि एक उम्र के बाद आपको उतनी ज्यादा अहमियत नहीं मिलती, जितनी आपके टैलेंट को मिलनी चाहिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**